खण्ड-413, अंक-1
शुक्रवार, 28 श्रावण, शक संवत् 1916
(19 अगस्त, 1994 ई0)

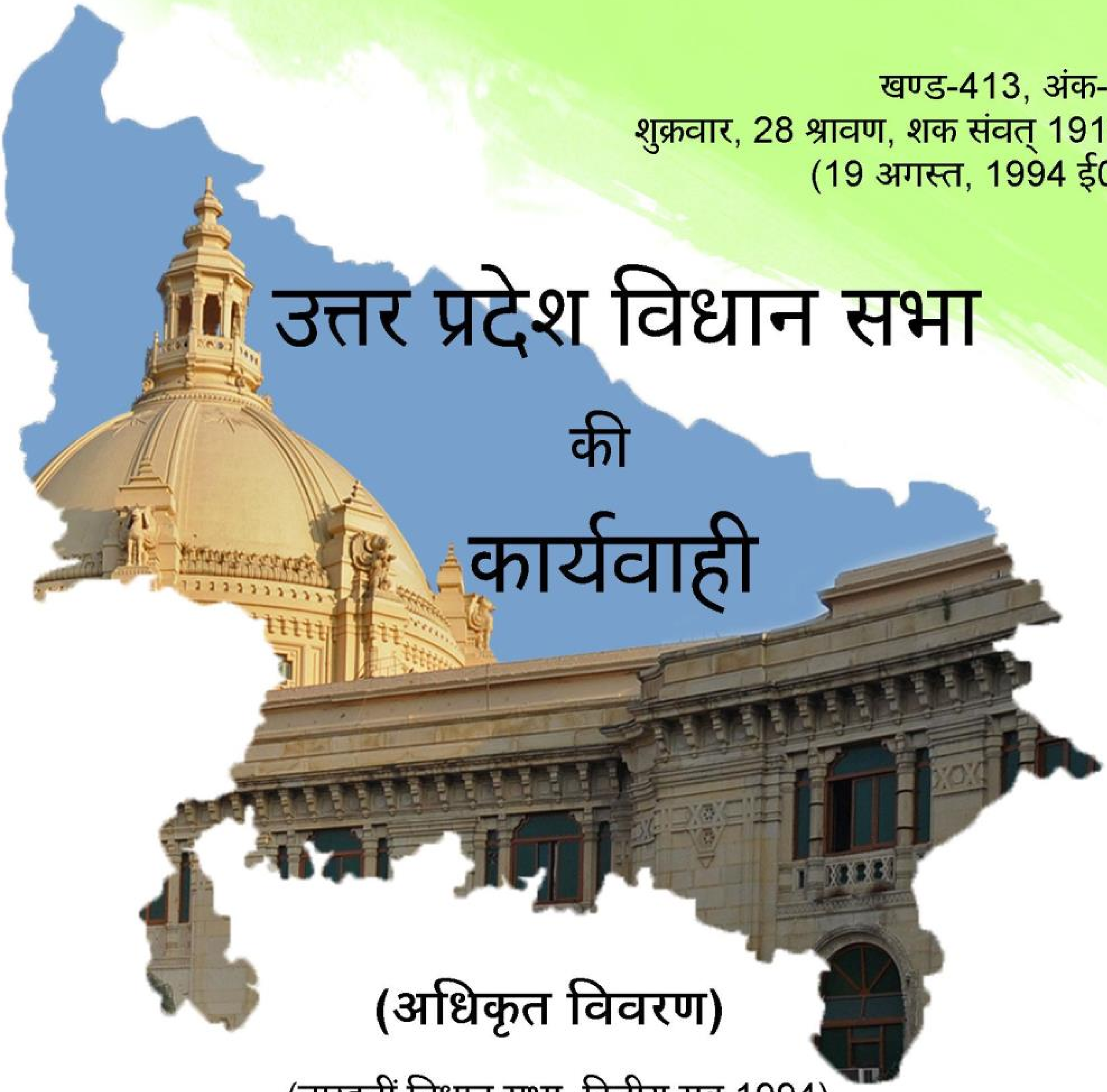

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(बारहवीं विधान सभा, द्वितीय सत्र 1994)

खण्ड 413 में 4 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
1994

मूल्य : बिना महसूल 25 पैसे, महसूल सहित 31 पैसे |
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 10 रुपये, महसूल सहित 12 रुपये |

विषय–सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्यों की सूची श्री राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल ..	क–ठ
उपस्थित सदस्य	ढ
राष्ट्रीय गीत––	1–3
वर्तमान विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री श्री राम सिंह एवं श्री जसवंत सिंह के निधन पर शोकोद्गार––	3–9
विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्रीमती सूर्यमुखी शर्मा, श्री कृष्ण स्वरूप वैश्य, श्री ओम प्रकाश, श्री छेदा लाल चौधरी, श्री रघुवीर सिंह यादव; श्री सईद अहमद अंसारी, श्री मसरूर जाफरी उर्फ शबरोज, श्री मोहन लाल, श्री कैलाश प्रसाद, श्री राम भजन लाल, श्री तुला राम, श्री दर्शन राम, सुश्री उर्मिला अग्निहोत्री, श्री लटूरी सिंह, श्री राजेन्द्र कुमार गर्ग, तथा श्री उमादत्त के निधन पर शोकोद्गार––	9–20
प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल श्री अकबर अली खान के निधन पर शोकोद्गार–	20–24
सदन में पर्चा फेकने की घटना सूचना––	24–26

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्यों की सूची

1–अंगद यादव, श्री — आजमगढ़
2–अकबर अली, श्री — जालौन
3–अक्षयवर लाल, श्री — बहराइच
4–अखलाख, श्री — मेरठ
5–अखिलेश, श्री — महराजगंज
6–अखिलेश कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
7–अछैयवर भारती, श्री — मऊ
8–अजय कुमार पोइया, श्री — मथुरा
9–अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री — गोण्डा
10–अतीक अहमद, श्री — इलाहाबाद
11–अनिल कुमार, श्री — सीतापुर
12–अफजाल अन्सारी, श्री — गाजीपुर
13–अमरजीत सिंह जनसेवक, श्री — फतेहपुर
14–अमरनाथ यादव, श्री — वाराणसी
15–अमर सिंह, श्री — अलीगढ़
16–अमर सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
17–अमित अग्रवाल, श्री — मेरठ
18–अम्बिका चौधरी, श्री — बलिया
19–अम्बिका सिंह, श्री — गोरखपुर
20–अम्बिका सिंह, श्री — देवरिया
21–अ० रईस, श्री — सुल्तानपुर
22–अरविन्द कुमार, श्री — ललितपुर
23–अरविन्द प्रताप सिंह, कुंवर, — फर्रुखाबाद
24–अरिमर्दन सिंह, श्री — हमीरपुर
25–अवध पाल सिंह यादव, श्री — एटा
26–अवधेश प्रसाद, श्री — फैजाबाद
27–अवनीश कुमार सिंह, श्री — बदायूं
28–अशोक कुमार सिंह चन्देल, श्री — हमीरपुर
29–अशोक कुमार सिंह चौधरी बेबी, श्री — उन्नाव
30–अशोक बाजपेई, श्री — हरदोई
31–आनन्द यादव, श्री — देवरिया
32–आर० के० चौधरी, श्री — इलाहाबाद
33–इन्द्रदेव सिंह, श्री — बिजनौर
34–इन्द्रपाल सिंह, श्री — इटावा
35–इन्द्र भद्र सिंह, श्री — सुल्तानपुर
36–इरशाद, श्री — आजमगढ़
37–इश्तियाक अंसारी, श्री — गाजीपुर
38–इश्तियाक अहमद, श्री — बाराबंकी
39–उदय प्रकाश, श्री — हमीरपुर
40–उदय भान सिंह, श्री — आगरा
41–उपदेश सिंह चौहान, श्री — मैनपुरी
42–उमाकान्त यादव, श्री — जौनपुर
43–उमाशंकर यादव, श्री — जौनपुर
44–उर्मिला देवी यादव, श्रीमती — मैनपुरी
45–उर्मिला राजपूत, श्रीमती — फर्रुखाबाद
46–ऊदल, श्री — वाराणसी
47–उषा यादव, श्रीमती — एटा
48–ओंकार सिंह, श्री — एटा
49–ओम प्रकाश, श्री — गाजीपुर
50–ओम प्रकाश, श्री — गोरखपुर
51–ओम प्रकाश गुप्ता, श्री — सीतापुर
52–ओम प्रकाश सिंह, श्री — मिर्जापुर
53–करन सिंह, श्री — मुरादाबाद
54–कल्याण सिंह, श्री — अलीगढ़
55–कामेश्वर उपाध्याय, श्री — देवरिया
56–काशी सिंह ऐरी, श्री — पिथौरागढ़
57–किरन पाल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
58–किशन लाल, श्री — पीलीभीत

59–किशन लाल दिलेर, श्री — अलीगढ़
60–कृष्ण कुमार नवमान, श्री — अलीगढ़
61–कृष्णवीर सिंह सिरोही, श्री — गाजियाबाद
62–केदार सिंह फोनिया, श्री — चमोली
63–केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
64–कोकब हमीद खां, श्री — मेरठ
65–गजराज सिंह, श्री — गाजियाबाद
66–गजाधर सिंह, श्री — रायबरेली
67–गनपति सिंह, श्री — महराजगंज
68–गया चरण दिनकर, श्री — बांदा
69–गिरीश नारायण पाण्डेय, श्री — रायबरेली
70–गोपाल काली, श्री — मेरठ
71–गोविन्द सिंह कुंजवाल, श्री — अल्मोड़ा
72–गौरी शंकर एडवोकेट, श्री — लखनऊ
73–घनश्याम शुक्ल, श्री — गोण्डा
74–घूरा राम, श्री — बलिया
75–चन्द्र किशोर, श्री — महराजगंज
76–चन्द्र भान मौर्य, श्री — आगरा
77–चन्द्र भूषण सिंह उर्फ मुन्नू बाबू, श्री — फर्रुखाबाद
78–चन्द्र मणि कान्त सिंह, श्री — बहराइच
79–चन्द्र विजय सिंह उर्फ बेबी राजा, श्री — मुरादाबाद
80–चन्द्र शेखर, श्री — गाजीपुर
81–चन्द्र शेखर, श्री — बस्ती
82–चरन सिंह, श्री — मेरठ
83–चेतराम, श्री — शाहजहांपुर
84–चैनसुख भारती, श्री — जालौन
85–छब्बू पटेल, श्री — वाराणसी
86–छोटे लाल, श्री — हरदोई
87–छोटे लाल यादव, श्री — बाराबंकी
88–छोटे लाल वर्मा, श्री — आगरा
89–जगत सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
90–जगदम्बा, श्री — बस्ती
91–जगदम्बिका पाल, श्री — बस्ती
92–जगदीश मुनि, श्री — हरिद्वार
93–जगन्नाथ प्रसाद, श्री — खीरी
94–जगरनाथ चौधरी, श्री — जौनपुर
95–जगराम सिंह, श्री — कानपुर नगर
96–जगवीर सिंह, श्री — अलीगढ़
97–जदुरानी, श्रीमती — हरदोई
98–जमुना मिश्र, श्री — सुल्तानपुर
99–जयपाल सिंह, श्री — मेरठ
100–जय प्रताप सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
101–जयराम कुशवाहा, श्री — गाजीपुर
102–जयवीर सिंह भदौरिया, श्री — इटावा
103–जवाहर यादव उर्फ पंडित, श्री — इलाहाबाद
104–जवाहर लाल दिवाकर, श्री — इलाहाबाद
105–जितेन्द्र कुमार जायसवाल उर्फ पप्पू भइया, श्री — गोरखपुर
106–जुगेन्द्र सिंह, श्री — बदायूं
107–जोखू लाल यादव, श्री — इलाहाबाद
108–ज्योत्सना श्रीवास्तव, श्रीमती — वाराणसी
109–ज्वाला प्रसाद यादव, श्री — जौनपुर
110–तिलक राज बेहड़, श्री — नैनीताल
111–तीरथ राज, श्री — सोनभद्र
112–तुलसीदास राय चन्दानी, श्री — गोण्डा
113–तुलाराम सैनी, श्री — मुरादाबाद
114–तेजपाल सिंह, श्री — बिजनौर
115–तेजपाल सिंह, श्री — मथुरा
116–तेजपाल सिंह पंवार, श्री — हरिद्वार

उत्तर प्रदेश विधान सभा

117–तेज भान सिंह, श्री — सुल्तानपुर
118–त्रिपाल सिंह धामा, श्री — मेरठ
119–दया सिन्धु शंखधर, श्री — बदायूं
120–दरोगा, श्री — आजमगढ़
121–दल बहादुर कोरी, श्री — रायबरेली
122–दिलीप कुमार वर्मा, श्री — बहराइच
123–दीनानाथ चौधरी, श्री — बलिया
124–दीनानाथ भाष्कर, श्री — वाराणसी
125–देवेन्द्र कुमार सिंह, श्री — ललितपुर
126–दौलत राम, श्री — सीतापुर
127–धनराज यादव, श्री — सिद्धार्थनगर
128–धनीराम वर्मा, श्री — इटावा
129–धर्मपाल यादव उर्फ डी० पी० यादव, श्री — बुलन्दशहर
130–धामू राम भाष्कर, श्री — फैजाबाद
131–धीरेन्द्र बहादुर सिंह, कुंवर, — खीरी
132–धू राम चौधरी, श्री — हमीरपुर
133–नजमउद्दीन, श्री — इलाहाबाद
134–नन्द किशोर मिश्रा, श्री — देवरिया
135–नन्द लाल, श्री — सुल्तानपुर
136–नन्द लाल सिंह पटेल, एडवोकेट, श्री — इलाहाबाद
137–नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा० — इलाहाबाद
138–नरेन्द्र सिंह, श्री — मेरठ
139–नरेन्द्र सिंह, श्री — मैनपुरी
140–नरेन्द्र सिंह, श्री — सीतापुर
141–नरेन्द्र सिंह चौधरी, श्री — कानपुर देहात
142–नरेन्द्र सिंह सिसौदिया, श्री — गाजियाबाद
143–नरेश अग्रवाल, श्री — हरदोई
144–नवल किशोर, श्री — बुलन्दशहर
145–नसीम, श्री — मऊ
146–नसीरुद्दीन, श्री — फिरोजाबाद
147–निरवेन्द्र कुमार मुन्ना, श्री — खीरी
148–निर्भय पाल शर्मा, श्री — सहारनपुर
149–नीरज चतुर्वेदी, श्री — कानपुर नगर
150–परमानन्द दण्डी, स्वामी — रामपुर
151–परशुराम, श्री — फैजाबाद
152–पारस नाथ यादव, श्री — जौनपुर
153–पीतम सिंह, श्री — एटा
154–पुत्तू सिंह यादव, श्री — शाहजहांपुर
155–पूर्णमासी देहाती, श्री — देवरिया
156–पृथ्वी सिंह विकसित, श्री — हरिद्वार
157–प्रणत पाल सिंह, श्री — मथुरा
158–प्रताप सिंह यादव, श्री — फर्रुखाबाद
159–प्रभा रावत, श्रीमती — गोरखपुर
160–प्रमोद तिवारी, श्री — प्रतापगढ़
161–प्रवीण सिंह ऐरन, श्री — बरेली
162–प्रीतम सिंह, श्री — देहरादून
163–प्रीतम सिंह, श्री — मुरादाबाद
164–प्रेम प्रकाश उर्फ जिप्पी तिवारी, श्री — सिद्धार्थनगर
165–प्रेम लता कटियार, श्रीमती — कानपुर नगर
166–प्रेम सिंह, श्री — गाजियाबाद
167–फजलुर्रहमान अंसारी, श्री — बहराइच
168–फ्रेन्सिस डब्लू० मूर — नाम-निर्देशित आंग्ल भारतीय
169–फौजदार प्रसाद, श्री — मऊ
170–बंशीधर, श्री — नैतीताल
171–बचनू राम पटेल, श्री — वाराणसी
172–बची सिंह रावत, श्री — अल्मोड़ा
173–बच्चा पाठक, श्री — बलिया
174–बदन सिंह, श्री — आगरा
175–बनवारी लाल दोहरे, श्री — फर्रुखाबाद
176–बनवारी सिंह, श्री — बदायूं
177–बरकत अली खां, श्री — सुल्तानपुर

178–बी० आर० वर्मा, श्री — आजमगढ़
179–बरफिया लाल जुवांठा, श्री — उत्तरकाशी
180–बलराम यादव, श्री — आजमगढ़
181–बशीर उद्दीन, श्री — हमीरपुर
182–बाबू खां, श्री — हरदोई
183–बाबू राम यादव, श्री — मैनपुरी
184–बाबू राम वर्मा, श्री — बस्ती
185–बाबू लाल, श्री — उन्नाव
186–बाल गोविन्द राजवंशी, श्री — सीतापुर
187–बाल चन्द्र मिश्र, श्री — कानपुर नगर
188–बालेश्वर त्यागी, श्री — गाजियाबाद
189–बालेश्वर यादव, श्री — देवरिया
190–बिहारी लाल आर्य, श्री — झांसी
191–बी० के० गुप्ता, श्री — पीलीभीत
192–बेचन राम, श्री — गोरखपुर
193–बेनी प्रसाद वर्मा, श्री — बाराबंकी
194–बैजनाथ रावत, श्री — बाराबंकी
195–ब्रह्म दत्त द्विवेदी, श्री — फर्रुखाबाद
196–ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, श्री — देवरिया
197–भगवत शरण गंगवार, श्री — बरेली
198–भगवती प्रसाद शुक्ल, श्री — लखनऊ
199–भगवती प्रसाद सागर, श्री — कानपुर देहात
200–भगेलू राम, श्री — सुल्तानपुर
201–भागवत पाल, श्री — मिर्जापुर
202–भैरो प्रसाद मिश्र, श्री — बांदा
203–मंजूर अहमद, श्री — बरेली
204–मण्डलेश्वर सिंह, श्री — आगरा
205–मदन गोपाल वर्मा, श्री — फतेहपुर
206–मदन भइया, श्री — मेरठ
207–मनव्वर हसन, श्री — मुजफ्फरनगर
208–मनोहर लाल, श्री — उन्नाव
209–मन्नू लाल कुरील, श्री — बांदा
210–मयंकर सिंह, श्री — बहराइच
211–मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री — रायबरेली
212–मसूद अहमद, डा० — फैजाबाद
213–महबूब अली, श्री — मुरादाबाद
214–महराज सिंह यादव, श्री — इटावा
215–महाबीर सिंह, श्री — बिजनौर
216–महाबीर सिंह, कुंवर — हरदोई
217–महिपाल सिंह यादव, श्री — बरेली
218–महेन्द्र अरिदमन सिंह राजा, श्री — आगरा
219–महेन्द्र पाल सिंह, श्री — बिजनौर
220–महेन्द्र प्रताप नारायण सिंह, श्री — फतेहपुर
221–महेन्द्र सिंह माहरा, श्री (महू भाई) — पिथौरागढ़
222–महेश चन्द्र, श्री — कानपुर नगर
223–मातवर सिंह कण्डारी, श्री — टिहरी गढ़वाल
224–माम चन्द्र, लाम्बा उर्फ मेमचन्द्र, डा० — सहारनपुर
225–माया शंकर पाठक, श्री — वाराणसी
226–मारकण्डेय सिंह, श्री — बलिया
227–मित्रसेन यादव, श्री — फैजाबाद
228–मीर मजहर अली उर्फ नन्हें मियां, श्री — बदायूं
229–मुक्ति नाथ, श्री — देवरिया
230–मुख्तार अनीस, श्री — सीतापुर
231–मुनीश गौड़, श्री — अलीगढ़
232–मुरलीधर, श्री — फतेहपुर
233–मुलायम सिंह यादव, श्री — फिरोजाबाद
234–मेवा लाल बागी, श्री — वाराणसी
235–मोलई, श्री — गोरखपुर
236–मोहम्मद अरशद खान, श्री — जौनपुर
237–मोहम्मद आजम खां, श्री — रामपुर
238–मोहर सिंह, श्री — सहारनपुर
239–मोहसिन, डा० — गोरखपुर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

240–यश पाल आर्य, श्री — नैनीताल
241–यश पाल चौधरी, श्री — खीरी
242–यश पाल सिंह चौधरी, श्री — सहारनपुर
243–योगेन्द्र कुमार सागर, श्री — बदायूं
244–रंगनाथ, श्री — वाराणसी
245–रघुराज प्रताप सिंह, कुंवर उर्फ राजा भइया, — प्रतापगढ़
246–रघुवीर सिंह, श्री — एटा
247–रणजीत सिंह जूदेव, श्री — झांसी
248–रणधीर सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
249–रतन लाल अहिरवार, श्री — झांसी
250–रतन पाल पंवार, श्री — मुजफ्फरनगर
251–रमाकान्त यादव, श्री — आजमगढ़
252–रमापति उर्फ रमाकान्त, श्री — देवरिया
253–रमापति शास्त्री, श्री — गोण्डा
254–रमेश कान्त लवानियां, श्री — आगरा
255–रमेश चन्द्र चंचल, श्री — फिरोजाबाद
256–रमेश पोखरियाल "निशंक", श्री — गढ़वाल
257–रमेश बहादुर, श्री — प्रतापगढ़
258–रवीन्द्र पुण्डीर, प्रोफेसर — मेरठ
259–रवीन्द्र प्रताप चौधरी उर्फ पप्पू चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
260–रवीन्द्र प्रताप मल्ल, श्री — देवरिया
261–रवीन्द्र शुक्ल, श्री — झांसी
262–राकेश सचान, श्री — कानपुर देहात
263–राकेश सोनकर, श्री — कानपुर नगर
264–राजकुमार शिवहरे, श्री — बांदा
265–राजबली जैसल, श्री — इलाहाबाद
266–राजबली यादव, श्री — आजमगढ़
267–राज बहादुर, श्री — गाजीपुर
268–राज लक्ष्मी वर्मा, श्रीमती — बाराबंकी
269–राजबीर सिंह, श्री — अलीगढ़
270–राजा राम त्यागी, श्री — रायबरेली
271–राजीव कुमार, श्री — नैनीताल
272–राजेन्द्र कुमार, श्री — मऊ
273–राजेन्द्र कुमार गुप्त, श्री — सीतापुर
274–राजेन्द्र प्रसाद, श्री — लखनऊ
275–राजेन्द्र सिंह, श्री — देहरादून
276–राजेन्द्र सिंह, श्री — बिजनौर
277–राजेश अग्रवाल, श्री — बरेली
278–राजेश कुमार यादव, श्री — बदायूं
279–राजेश कुमार, श्री — वाराणसी
280–राधेश्याम, श्री — बाराबंकी
281–राधेश्याम गुप्त, श्री — फतेहपुर
282–रानी देव लता, श्रीमती — सहारनपुर
283–राम अचल राजभर, श्री — फैजाबाद
284–राम अधार यादव, श्री — महराजगंज
285–राम आसरे वर्मा, श्री — हरदोई
286–राम औतार मिश्रा, श्री — शाहजहांपुर
287–राम करन आर्य, श्री — बस्ती
288–राम किशोर बिन्द, श्री — वाराणसी
289–राम कुमार वर्मा, श्री — खीरी
290–राम कुमार शुक्ल, श्री — लखनऊ
291–राम कृष्ण वर्मा, इंजी० — मेरठ
292–राम खेलावन, श्री — उन्नाव
293–राम गोपाल, श्री — खीरी
294–राम जीत भारद्वाज, श्री — वाराणसी
295–राम तेज, श्री — बहराइच
296–राम दर्शन यादव, श्री — आजमगढ़
297–राम दवर, श्री — जौनपुर
298–राम दास पाल, श्री — कानपुर देहात
299–राम देव वर्मा, श्री — फैजाबाद
300–राम धनी, श्री — गाजीपुर
301–राम नरेश यादव, श्री — रायबरेली
302–राम पाल सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

303–राम प्रकाश, श्री — बस्ती
304–राम प्रकाश गुप्त, श्री — लखनऊ
305–राम प्रकाश त्रिपाठी, श्री — फर्रुखाबाद
306–राम प्रताप सिंह, श्री — गोण्डा
307–राम प्रसाद टम्टा, श्री — अल्मोड़ा
308–राम प्रसाद, श्री — बुलन्दशहर
309–राम प्रसाद चौधरी, श्री — बस्ती
310–राम बाबू हरित, डा० — आगरा
311–राम मूर्ति सिंह, श्री — शाहजहांपुर
312–राम लखन यादव, श्री — प्रतापगढ़
313–राम लखन वर्मा, श्री — फैजाबाद
314–राम लोटन सिंह पटेल, इन्जी० — मिर्जापुर
315–राम विशुन आजाद, श्री — गोण्डा
316–राम वीर सिंह, श्री — फिरोजाबाद
317–राम सजीवन निर्मल, श्री — इलाहाबाद
318–राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
319–राम सिंह, श्री — बुलन्दशहर
320–राम सेवक सिंह, श्री — इलाहाबाद
321–राम सेवक सिंह, श्री — बदायूं
322–राम स्वरूप, श्री — एटा
323–राम स्वरूप शर्मा, स्वामी — मथुरा
324–राम स्वरूप सिंह, श्री — बिजनौर
325–रामेश्वर दयाल, श्री — मैनपुरी
326–रिजवान जहीर
उर्फ रिज्जू भइया, श्री — गोण्डा
327–रेखा छागला, श्रीमती — इटावा
328–लक्ष्मी चन्द्र, श्री — बुलन्दशहर
329–लक्ष्मी नारायण पाण्डेय
उर्फ गुरू जी, श्री — प्रतापगढ़
330–लल्लू सिंह, श्री — फैजाबाद
331–लाज कृष्ण गांधी, श्री — सहारनपुर
332–लालजी, श्री — वाराणसी
333–लालजी यादव उर्फ जोगी, श्री — जौनपुर
334–लाल बहादुर सिंह, श्री — प्रतापगढ़
335–लालमणि प्रसाद, श्री — बस्ती
336–वकार अहमद शाह, श्री — बहराइच
337–वासुदेव सिंह, श्री — बुलन्दशहर
338–विक्रमा सिंह, श्री — बलिया
339–विजय सिंह, श्री — सोनभद्र
340–विजेन्द्र सिंह, श्री — अलीगढ़
341–विनय कुमार पाण्डेय
उर्फ बिन्नू, श्री — गोण्डा
342–विश्राम सिंह यादव, श्री — हरदोई
343–विश्वनाथ, श्री — देवरिया
344–विश्वनाथ प्रसाद गुप्त, श्री — गोण्डा
345–विश्वम्भर प्रसाद निषाद, श्री — बांदा
346–विश्वम्भर सिंह, श्री — मथुरा
347–वीर अभिमन्यू सिंह, श्री — फतेहपुर
348–वीरेन्द्र पाल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
349–वीरेन्द्र प्रताप सिंह
उर्फ मुन्ना, श्री — शाहजहांपुर
350–वीरेन्द्र मोहन सिंह, श्री — पीलीभीत
351–वीरेश्वर सिंह
उर्फ वीरेश यादव, श्री — अलीगढ़
352–शब्बीर अहमद, श्री — बहराइच
353–शराफत यार खां, श्री — बरेली
354–शशि बाला पुण्डीर, श्रीमती — सहारनपुर
355–शशि बाला भारती, श्रीमती — खीरी
356–शाकिर, श्री — देवरिया
357–शारदा नन्द अंचल, श्री — बलिया
358–शारदा प्रसाद जायसवाल, श्री — महराजगंज
359–शिव कुमार बेरिया, श्री — कानपुर देहात
360–शिव दानी, श्री — इलाहाबाद
361–शिव प्रताप यादव, डा० — गोण्डा
362–शिव प्रताप शुक्ल, श्री — गोरखपुर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

363–शिव बहादुर सक्सेना, श्री — रामपुर
364–शिव राम सिंह कुशवाहा, श्री — जालौन
365–शिव सागर लाल, डा० — उन्नाव
366–शिवेन्द्र, श्री — महराजगंज
367–शूरवीर सिंह सजवाण, श्री — टिहरी गढ़वाल
368–श्याम किशोर यादव, श्री — लखनऊ
369–श्याम देव राय चौधरी, (दादा) — वाराणसी
370–श्याम लाल रावत, श्री — सीतापुर
371–श्याम सुन्दर शर्मा, श्री — मथुरा
372–श्रीराम पाल, श्री — जालौन
373–श्रीराम, श्री — मिर्जापुर
374–श्रीराम यादव, श्री — जौनपुर
375–संग्राम सिंह यादव, श्री — बलिया
376–संदीप अग्रवाल, श्री — मुरादाबाद
377–सज्जन पाल सिंह उर्फ रज्जन पाल सिंह, श्री — एटा
378–सतीश कुमार, श्री — बिजनौर
379–सतीश भटिया, श्री — लखनऊ
380–सतीश महाना, श्री — कानपुर नगर
381–सत्य प्रकाश, श्री — मुरादाबाद
382–सत्य प्रकाश विकल, श्री — आगरा
383–सत्येन्द्र सिंह, श्री — मुरादाबाद
384–सन्त बक्श रावत, श्री — लखनऊ
385–सफदर रजा खां, श्री — सुल्तानपुर
386–समई, श्री — आजमगढ़
387–समर पाल, श्री — मुरादाबाद
388–समीर भाटी, श्री — गाजियाबाद
389–सरजीत सिंह डंग, डा० — मिर्जापुर
390–सर्वराज सिंह, कुंवर — बरेली
391–सर्वेश कुमार उर्फ राकेश, श्री — मुरादाबाद
392–सावित्री देवी, श्रीमती — जौनपुर
393–सियाराम सागर, डा० — बरेली
394–सुखदेव, श्री — आजमगढ़
395–सुखदेवी, श्रीमती — इटावा
396–सुधीर कुमार बालियान, श्री — मुजफ्फरनगर
397–सुन्दर पाल सिंह, श्री — सीतापुर
398–सुन्दर लाल दीक्षित, श्री — बाराबंकी
399–सुन्दर लाल लोधी, श्री — उन्नाव
400–सुरेन्द्र पाल वर्मा, श्री — बांदा
401–सुरेन्द्र सिंह नेगी, श्री — गढ़वाल
402–सुरेश कुमार खन्ना, श्री — शाहजहांपुर
403–सुरेश चन्द्र तितौरिया, श्री — मुजफ्फरनगर
404–सुरेश पासी, श्री — प्रतापगढ़
405–सुरेश प्रताप सिंह, श्री — मुरादाबाद
406–सुरेश संगल, श्री — मुजफ्फरनगर
407–सुशीला सरोज, श्रीमती — हरदोई
408–सूरज सिंह शाक्य, श्री — एटा
409–स्वयम्वर चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
410–स्वामी नाथ, श्री — देवरिया
411–हरक सिंह रावत, श्री — गढ़वाल
412–हरदेव सिंह, श्री — बाराबंकी
413–हरपाल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
414–हरवंश कपूर, श्री — देहरादून
415–हरिशंकर तिवारी, श्री — गोरखपुर
416–हरी किशन श्रीवास्तव, श्री — कानपुर देहात
417–हरी शंकर माहौर, श्री — अलीगढ़
418–हरीश कुमार गंगवार, श्री — बरेली
419–हरेन्द्र सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
420–हरेन्द्र सिंह ज्ञानी, श्री — रामपुर
421–हाजी मोहम्मद हयात, श्री — मुरादाबाद
422–हीरा मनि पटेल, श्री — इलाहाबाद
423–हृदय नारायण, श्री — उन्नाव

उत्तर प्रदेश विधान सभा

राज्यपाल

श्री मोती लाल वोरा

मंत्री-परिषद्

1–श्री मुलायम सिंह यादव मुख्य मंत्री	सामान्य प्रशासन, गृह, गोपन, ऊर्जा, सूचना, निर्वाचन, वित्त, संस्थागत वित्त, सार्वजनिक उद्यम, आवास, न्याय, विधायिका, गन्ना, विकास, चीनी मिलें, उद्योग, सिंचाई, आबकारी, पर्यटन, पर्यावरण, श्रम, कृषि, उत्तराखण्ड विकास, प्राविधिक शिक्षा, उ० शिक्षा, नियोजन, खाद्य, दुग्ध विकास, राज्य सम्पत्ति, उद्यान, युवा कल्याण, राष्ट्रीय एकीकरण, इलेक्ट्रानिक्स ।
2–श्री बेनी प्रसाद वर्मा	लोक निर्माण तथा संसदीय कार्य ।
3–श्री मोहम्मद आजम खां	सहकारिता तथा मुस्लिम वक्फ ।
4–श्री राज बहादुर	समाज कल्याण
5–श्री राम लखन वर्मा	पंचायती राज
6–श्री रमा शंकर कौशिक	नगर विकास.
7–श्री भगवती सिंह	वन
8–श्री बलराम यादव	स्वास्थ्य, चिकित्सा तथा चिकित्सा शिक्षा ।
9–श्री बाबूराम यादव	राजस्व
10–श्री मनोहर लाल	पशुधन तथा मत्स्य

उत्तर प्रदेश विधान सभा

11–श्री अवधेश प्रसाद	कारागार, होमगार्ड्स तथा राजनैतिक पेंशन ।
12–श्री आर० के० चौधरी	परिवहन
13–श्री शाकिर अली	माध्यमिक शिक्षा तथा बेसिक शिक्षा ।
14–श्री श्रीराम यादव	ग्राम्य विकास तथा क्षेत्रीय विकास ।

राज्य मंत्री

1–श्री शारदानन्द अंचल	मत्स्य तथा पशुधन मंत्री
2–श्री रामधनी	सहकारिता मंत्री
3–श्री दीनानाथ भाष्कर	ग्राम्य विकास तथा क्षेत्रीय विकास मंत्री
4–श्री सुरेन्द्रपाल वर्मा	कारागार, होमगार्ड्स तथा राजनैतिक पेंशन मंत्री
5–श्री श्रीराम पाल	समाज कल्याण मंत्री
6–श्री सन्त बख्श रावत	नगर विकास मंत्री
7–श्री सुन्दर सिंह बघेल	वन मंत्री
8–श्री सुखराम सिंह यादव	लोक निर्माण तथा संसदीय कार्य मंत्री
9–श्री अशोक कुमार सिंह बेबी	स्वास्थ्य चिकित्सा तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री
10–श्री सुखदेव राजभर	माध्यमिक शिक्षा तथा बेसिक शिक्षा मंत्री
11–श्री विशम्भर प्रसाद निषाद	राजस्व मंत्री

उप मंत्री

1–श्री राम किशोर बिन्द	परिवहन मंत्री
2–श्री लालजी चौहान	पंचायती राज मंत्री

नेता विरोधी दल

श्री कल्याण सिंह	भारतीय जनता पार्टी

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल

अध्यक्ष

श्री धनीराम वर्मा

उपाध्यक्ष

रिक्त

अधिष्ठाता मण्डल

1–श्री अशोक बाजपेयी, सदस्य, विधान सभा (हरदोई)

2–श्री ऊदल, सदस्य, विधान सभा (वाराणसी)

3–श्री राम करन आर्य, सदस्य, विधान सभा (बस्ती)

4–श्री बी० आर० वर्मा, सदस्य, विधान सभा (आजमगढ़)

5–श्री सत्य प्रकाश विकल, सदस्य, विधान सभा (आगरा)

6–श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त, सदस्य, विधान सभा (सीतापुर)

7–श्री भगवती प्रसाद शुक्ल, सदस्य, विधान सभा (लखनऊ)

8–श्री नरेश अग्रवाल, सदस्य, विधान सभा (हरदोई)

9–श्री राम आसरे वर्मा, सदस्य, विधान सभा (हरदोई)

10–श्री अखिलेश, सदस्य, विधान सभा (महराजगंज)

सचिव

श्री प्रेम चन्द्र सक्सेना

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

शुक्रवार, दिनांक 19 अगस्त, 1994

निम्नांकित सदस्यों के अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य उपस्थित थे :—

अखलाख, श्री	मेरठ	उर्फ राजा भइया, कुंवर	प्रतापगढ़
अतीक अहमद, श्री	इलाहाबाद	राज बहादुर, श्री	गाजीपुर
अमित अग्रवाल, श्री	मेरठ	रानी देव लता, श्रीमती	सहारनपुर
अवध पाल सिंह यादव, श्री	एटा	राम खेलावन, श्री	उन्नाव
इरशाद, श्री	आजमगढ़	राज जीत भारद्वाज, श्री	वाराणसी
ओम प्रकाश, श्री	गोरखपुर	राम देव वर्मा, श्री	फैजाबाद
काशी सिंह ऐरी, श्री	पिथौरागढ़	राम नरेश यादव, श्री	रायबरेली
केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री	इलाहाबाद	राम प्रकाश गुप्त, श्री	लखनऊ
जगदीश मुनि, श्री	हरिद्वार	राम स्वरूप शर्मा, स्वामी	मथुरा
जितेन्द्र कुमार जायसवाल उर्फ		लल्लू सिंह, श्री	फैजाबाद
पप्पू भइया, श्री	गोरखपुर	लाल बहादुर सिंह, श्री	प्रतापगढ़
धर्मपाल यादव उर्फ		विक्रमा सिंह, श्री	बलिया
डी० पी० यादव, श्री	बुलन्दशहर	विनय कुमार पाण्डेय उर्फ बिन्नू, श्री	गोण्डा
परमानन्द दण्डी, स्वामी	रामपुर	श्रीराम पाल, श्री	जालौन
प्रवीण सिंह ऐरन, श्री	बरेली	संग्राम सिंह यादव, श्री	बलिया
बरकत अली खां, श्री	सुल्तानपुर	सतीश कुमार, श्री	बिजनौर
बाबू राम यादव, श्री	मैनपुरी	सफदर रजा खां, श्री	सुल्तानपुर
भगवत शरण गंगवार, श्री	बरेली	समीर भाटी, श्री	गाजियाबाद
मसूद अहमद, डा०	फैजाबाद	सर्वेश कुमार उर्फ राकेश, श्री	मुरादाबाद
महेन्द्र प्रताप नारायण सिंह, श्री	फतेहपुर	हरिशंकर तिवारी, श्री	गोरखपुर
मुलायम सिंह यादव, श्री	फिरोजाबाद	हरेन्द्र सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
रघुराज प्रताप सिंह,			

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

शुक्रवार, दिनांक 19 अगस्त, 1994

विधान सभा की बैठक सभा-मण्डप लखनऊ में दिन के 11 बजे अध्यक्ष श्री धनीराम वर्मा की अध्यक्षता में आरम्भ हुई ।

राष्ट्रीय गीत

(सदन की कार्यवाही "वन्दे मातरम्" गीत से प्रारम्भ हुई ।)

वन्दे मातरम् । वन्दे मातरम् ।।
सुजलाम् ।
सुफलाम् ।
मलयज शीतलाम् ।
शस्य श्यामलाम् ।
मातरम् । वन्दे मातरम् ।।
शुभ्र-ज्योत्सना-पुलकित-यामिनीम्
फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल-शोभिनीम्
सुहासिनीम्
सुमधुर भाषिणीम्
सुखदाम
वरदाम्
मातरम् । वन्दे मातरम् ।।

(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल–
[xxx]

श्री राम आसरे वर्मा–
[xxx]

श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त–
मान्यवर, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है ।

(घोर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष–
गुप्त जी का व्यवस्था का प्रश्न है, पहले उनकी सुन लीजिए, फिर आप सबकी सुनूंगा । आप बैठें ।

श्री जगदम्बिका पाल–
[xxx]

नोट :– [XXX] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

श्री अध्यक्ष–

सब लोगों को एक साथ तो बोलने का अवसर नहीं मिल सकेगा ।

(कई सदस्यों के एक साथ बोलने पर व्यवधान)

मैंने निधन के निर्देश के लिये बुला लिया है । लेकिन उसी बीच में माननीय सदस्य व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहते हैं ।

(कई सदस्यों के एक साथ बोलते रहने पर व्यवधान)

श्री हृदय नारायण–

[XXX]

(व्यवधान)

श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त–

[XXX]

श्री अध्यक्ष–

मैंने निधन के निर्देश के लिये मद संख्या-2 के लिये माननीय मंत्री जी को बुला लिया था लेकिन उसके बावजूद हमारे माननीय सदस्य इसको गम्भीरता से नहीं ले रहे हैं।

(सदस्यों के बोलते रहने पर व्यवधान)

श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त–

[XXX]

श्री जगदम्बिका पाल–

[XXX]

(व्यवधान)

श्री राम आसरे वर्मा–

[XXX]

श्री अध्यक्ष–

माननीय वर्मा जी, कृपया आसन ग्रहण करें । माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी निधन के निर्देश के लिये खड़े हो गये हैं । इस समय इसके अलावा और कोई गम्भीर बात नहीं है ।

(व्यवधान)

श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त–

[XXX]

(व्यवधान)

श्री राम आसरे वर्मा–

[XXX]

नोट :– [XXX] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

श्री प्रमोद तिवारी–

[XXX]

श्री प्रमोद तिवारी–

[XXX]

(व्यवधान)

श्री बदन सिंह–

[XXX]

नेता विरोधी दल (श्री कल्याण सिंह)–

[XXX]

(व्यवधान)

श्री प्रमोद तिवारी–

[XXX]

(व्यवधान)

लोक निर्माण तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

[XXX]

श्री अध्यक्ष–

यह सब कार्यवाही से निकाल दिया जाय ।

वर्तमान विधान सभा के सदस्य श्री श्रीराम सिंह एवं श्री जसवंत सिंह के निधन पर शोकोद्गार

लोक निर्माण तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

श्रीमन् बड़े खेद के साथ इस माननीय सदन को सूचना देनी पड़ रही है कि हमारे दो माननीय इसी विधान सभा के सदस्य आज हमारे बीच में नहीं हैं । श्रीमन्, वैसे तो सभी को एक न एक दिन जाना ही है लेकिन कुछ लोगों की जब अकाल मृत्यु होती है तो दुख होता है । श्री राम सिंह जो गोंडा जनपद से तीन बार इस सदन के सदस्य निर्वाचित हुए 18 जून, 1994 को उनका देहावसान हो गया । वह गोंडा जनपद के जाने माने नेताओं में से एक थे और भारतीय जनता पार्टी के शुरू से सदस्य रहे । और इसी टिकट पर 1969, 1992 और 1993 में निर्वाचित हुए । अपनी पार्टी द्वारा चलाए गए तमाम आन्दोलनों में वह जेल भी गए । आज वह हमारे बीच में नहीं हैं वह गोंडा जनपद में जिला परिषद् के उपाध्यक्ष भी रहे वह एक बड़ी राजनीतिक हस्ती थे। सिर्फ गोंडा जनपद के ही नहीं आस पड़ोस के क्षेत्रों में भी उनका प्रभाव था ।

नोट :– [XXX] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया ।

उनके निधन से एक बहुत बड़ी कमी आ गई है । मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि उनके शोक संतप्त परिवार तक हमारी ओर से और हमारे सत्ता पक्ष की ओर से तथा हमारे दल की ओर से शोक संवेदना पहुंचाने की कृपा करें ।

श्रीमन् एक होनहार नौजवान जिसकी उम्र अभी सिर्फ 31 वर्ष की थी । कानपुर जनपद से इसी विधान सभा के चुनाव में निर्वाचित हुए थे श्री जसवन्त सिंह जी एक विवाह समारोह में हिस्सा लेने गए थे और जैसी कि सूचना मिली है करेंट लगने से उनकी मृत्यु हो गयी । इनके घर भी हम गए थे । एक जनरेटर के करेंट लगने से उनकी मृत्यु हो गयी ऐसा हमने पहली बार सुना है कि जनरेटर के करेंट से किसी की मृत्यु हो जाए। पिछले विधान सभा सत्र में उन्होंने कार्यवाही में हिस्सा लिया और बजट की सामान्य चर्चा में वह 5 मिनट बोले भी हैं । अपने क्षेत्र के लोगों में बहुत ही होनहार नवयुवक थे श्री जसवन्त सिंह जी हम लोगों को उनके न रहने से व्यक्तिगत क्षति हुई है । हम आपसे अनुरोध करेंगे कि श्री जसवन्त सिंह जी के परिवार के शोक संतप्त जनों तक हमारी ओर से शोक संवेदना भेजने की कृपा करें ।

नेता विरोधी दल (श्री कल्याण सिंह)–

मान्यवर, स्वर्गीय श्री श्रीराम सिंह जी जनपद गोंडा और श्री जसवंत सिंह जी, जनपद कानपुर देहात के निधन के संदर्भ में जो शोक संवेदनायें माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने व्यक्त की हैं उनसे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । श्रीमन् श्री राम सिंह जी एक बहुत ही लोकप्रिय और समाजसेवी कार्यकर्ता थे वे 1969 में जनसंघ के टिकट पर इस सम्मानित सदन के सदस्य बने और 1991 तथा फिर 1993 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर इस सम्मानित सदन के सदस्य बने । इस सदन की विभिन्न समितियों के सदस्य रहकर उन्होंने सदन की भी सेवा की और जनता की भी सेवा की । अपने क्षेत्र में वह बहुत ही लोकप्रिय, निःस्वार्थ भाव से काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता थे । उनके निधन से गोंडा जनपद के एक जुझारू, निःस्वार्थ भाव से समाज सेवा करने वाले योग्य नेता को खो दिया है । इससे स्थानीय जनता की क्षति हुई और हमारी भी क्षति हुई है । उनके प्रति मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि श्री राम सिंह जी के शोक संतप्त परिवार तक मेरी और मेरे दल की संवेदनायें पहुंचाने का कष्ट करें ।

श्रीमन्, इसी प्रकार श्री जसवन्त सिंह जी हमारे बीच से उठ गये । वह मात्र 31 वर्ष की आयु के नवयुवक थे । समाज को उनसे बहुत अपेक्षायें थीं । कौन जानता था कि अचानक बिजली के करेंट से इस प्रकार से उनका निधन हो जायेगा । मैं समझता हूं कि जिस क्षेत्र से वह निर्वाचित हुये थे, कानपुर देहात की जनता की बहुत बड़ी क्षति हुई है । वह एक उत्साही कार्यकर्ता थे, जुझारू कार्यकर्ता थे । जनसेवा के कार्यों में वह अग्रणी भूमिका निभाया करते थे । इतनी अल्प आयु में यदि कोई नवयुवक अपने बीच से उठ जाता है तो उसका हम सभी को दुःख होना स्वाभाविक है । मैं और मेरा दल उनके निधन से दुःखी है । मैं अपने और अपने दल की ओर से उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति

और सद्गति प्रदान करे और उनके शोक संतप्त परिवार को इस गहरे दुःख को सहन करने की क्षमता प्रदान करे । मेरी आपसे प्रार्थना है कि स्वर्गीय जसवंत सिंह के परिवार तक मेरी और मेरे दल की शोक संवेदना को पहुंचाने की कृपा करें ।

*पंचायती राज मंत्री (श्री राम लखन वर्मा)–

श्रीमन्, माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने और माननीय नेता विरोधी दल ने दिवंगत आत्माओं के प्रति जो शोक संवेदनायें व्यक्त की हैं मैं अपने को और अपने दल को उससे सम्बद्ध करता हूं । श्रीमन् श्री श्रीराम सिंह भारतीय जनता पार्टी से गोण्डा जनपद से चुनकर विधान सभा में पहुंचे थे आज हमारे बीच नहीं हैं । दूसरे गोण्डा जनपद ही नहीं पूरे प्रदेश में उनकी कमी महसूस हो रही है जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती । श्रीमन् वह एक जुझारू, ईमानदार और सत्य निष्ठावान व्यक्ति थे उनके व्यवहार से हम लोग परिचित थे आज दुर्भाग्य से वे हमारे बीच नहीं हैं । मैं अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से उनके प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और आपसे विनम्र प्रार्थना है कि हमारी शोक संवेदनाएं उनके परिवार तक पहुंचाने का कष्ट करें ।

मान्यवर, श्री जसवन्त सिंह जो कानपुर से चुनाव जीतकर हमारे बीच आये थे नौजवान थे करेन्ट लगने से उनकी मृत्यु हो गयी थी जिसके लिए पूरा जनपद कानपुर ही नहीं पूरा प्रदेश दुखी है । श्रीमन् दुःख की बात है कि जिस बारात में सम्मिलित हुए थे वहां करेन्ट लगने से उनकी मृत्यु हुई थी । वहां बहुत से लोग थे केवल अकेले उनकी मृत्यु हुई । वह एक नौजवान और जुझारू कार्यकर्ता थे इस कारण विधान सभा में आये थे आज हमारे बीच नहीं हैं, बहुत दुख की बात है । मैं आपसे निवेदन करूंगा कि मेरी तथा मेरे दल की तरफ से शोक संवेदनाएं उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

*श्री प्रमोद तिवारी–

मान्यवर, सम्मानित भारतीय जनता पार्टी के सदस्य श्री श्रीराम सिंह जी के निधन से निश्चित रूप से गोण्डा जनपद को अपूर्णनीय क्षति हुई है । यह भारतीय जनता पार्टी के जुझारू एवं सक्रिय कार्यकर्ता थे अपने उस जुझारू साथी को खो दिया है । मैं मान्यवर अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और माननीय नेता सदन, माननीय नेता विरोधी दल और मा0 नेता ब0स0पा0 ने जो संवेदनाएं व्यक्त की हैं उससे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और विशेष रूप से मैं आग्रह करूंगा कि यह संवेदनाएं उनके परिवार तक पहुंचाने का कष्ट करें । और व्यक्तिगत रूप से हमारे दल के नेता मा0 कल्याण सिंह और अपने दल के साथियों की संवेदनाएं इस बात को प्रकट करता हूं कि उन्होंने अपना एक साथी खो दिया है । ऐसा साथी, जो ब्लाक प्रमुख के रूप में, अध्यक्ष जिला परिषद् के रूप में तीन बार विधायक के रूप में रहे हैं । संघर्ष में वे विश्वास करते थे । वे पिछली विधान सभा में रहे इस विधान सभा में भी रहे । उनका आचरण उनका व्यवहार बहुत ही अच्छा रहा है । मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से आपसे आग्रह करूंगा कि हमारी संवेदनाएं उनके परिवार तक पहुंचा दें ।

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

मान्यवर, जो इस दुनिया में आता है उसको जाना ही होता है । यह विधि का नियम है । श्री जसवन्त सिंह जैसे लोग हमारे बीच से जाते हैं तो विधि के विधान पर भी उंगली उठाने की इच्छा होती है । मान्यवर, 32 वर्ष की अल्पायु में जिन परिस्थितियों में उनका निधन हुआ है उससे ज्यादा दुःखद परिस्थितियां और नहीं हो सकती हैं । उनके जाने से इस सदन का एक जुझारू विधायक चला गया है । यह बात तो अपने स्थान पर महत्वपूर्ण थी ही परन्तु जो कुछ वह करते या करना चाहते थे, उनसे जो आशाएं थी उनके चले जाने से उन आशाओं का अन्त हुआ है । मैं इसके लिए दुःख व्यक्त करता हूं और खास तौर से समाजवादी दल और उनके नेता से विशेष रूप से अपने दल की ओर से दुःख व्यक्त करता हूं जिन्होंने बहुत ही जुझारू साथी अपना खोया है ऐसा जुझारू साथी खोया है, ऐसी परिस्थितियों में खोया है जिसकी पूर्ति होना असंभव है । वह एक नवयुवक थे हम लोग उनसे तमाम आशाएं लगाये बैठे थे । 31 वर्ष की अल्पायु में उनके निधन से एक बहुत बड़ा समाज सेवी व्यक्ति का अन्त हो गया है । मेरे राजनीतिक जीवन में ऐसा अवसर नहीं है कि एक सत्र में अपने दो साथियों का उसी सत्र में जो विधायक के रूप में काम करते हों, उनका निधन हो गया हो । यह बहुत ही दुःख की बात है । मैं आग्रह करूंगा कि हमारी और हमारे दल की शोक संवेदनाएं उनके परिवार तक पहुंचा दें ।

श्री किरनपाल सिंह–

मान्यवर, हमारे साथी श्री श्रीराम सिंह और जसवन्त सिंह का निधन हो गया है और उनके प्रति जो शोकोद्गार माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने, माननीय नेता विरोधी दल ने, माननीय नेता बहुजन समाजवादी पार्टी और माननीय नेता कांग्रेस ने व्यक्त किये हैं, मैं उनसे अपने और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । मान्यवर, श्री राम सिंह का स्वर्गवास 61 वर्ष की आयु में हुआ है वह गोण्डा जनपद के रहने वाले थे और उनका जन्म सन् 1933 में हुआ था । उन्होंने जूनियर हाई स्कूल तक शिक्षा प्राप्त की थी । वह इस विधान सभा के तीन बार सदस्य रहे । वह अपने जनपद गोण्डा के जिला परिषद् के उपाध्यक्ष रहे और अपने ब्लाक के प्रमुख भी रहे । वह अपने जनपद गोण्डा में बहुत लोक प्रिय थे । उनकी समाज सेवा में बहुत रुचि थी । अल्प शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद भी, शिक्षा की कमी उनकी समाज सेवा में बाधक नहीं आयी, वह बड़ी तत्परता के साथ सेवा करते रहे । उनके निधन से हमारा दल बहुत ही दुःखी है । भारतीय जनता पार्टी ने अपने एक सदस्य को खो दिया है और गोण्डा जनपद ने एक कुशल राजनीतिज्ञ खो दिया है । मैं स्वयं अपने को और अपने दल की ओर से उनके परिवार वालों को शोक संवेदनायें प्रेषित करता हूं और आपसे निवेदन है कि उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

मान्यवर, श्री जसवन्त सिंह कानपुर देहात से चुनकर इस विधान सभा में आये थे और उनकी मृत्यु 11/12 तारीख की रात्रि को हो गयी । उनकी मृत्यु का समाचार जब मिला तो विश्वास ही नहीं हुआ कि ऐसा हो सकता है । उनको करेन्ट लग गयी थी और वह जनरेटर की करेन्ट लग गयी थी । पहली बार सुनने को मिला है कि जनरेटर की करेंट लगने से किसी की मृत्यु हुई हो । उनकी असामयिक मृत्यु से सारे लोग दुःखी

है । कुदरत ने जब किसी को भेजा है, तो उसे जाना ही है, लेकिन इस प्रकार से जाना और इस उम्र में जाना, दुखद है । वह एक विवाह में गये थे और एक छतरी थी, उसके नीचे वह खड़े थे और उनके करेन्ट लग गयी और वह खड़े ही खड़े रह गये । बाद में लोगों को पता चला कि उनकी मृत्यु हो गयी है । उनकी मृत्यु से कानपुर जनपद में एक कुशल समाज सेवी की बड़ी कमी हो गयी है । जनपद के लोग दुःखी हैं । उनकी मृत्यु पर सारा कानपुर जिला उमड़ पड़ा । वह एक बहुत ही होनहार युवक थे और उनके पीछे बड़ी आशायें थीं । उनके निधन से कानपुर देहात ने एक नौजवान साथी खो दिया है और उनके निधन से सभी लोग दुःखी हैं । आपसे मेरी प्रार्थना है कि मेरी और मेरे दल की शोक संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

*श्री उदल–

मान्यवर, श्री श्रीराम सिंह के निधन के बारे में जो विचार संसदीय कार्य मंत्री, नेता विरोधी दल और जो अन्य नेताओं ने व्यक्त किए हैं, उनसे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । श्री राम सिंह का जन्म 1933 में हुआ था वह गोण्डा जनपद के रहने वाले थे और वहीं से वह चुनकर आये थे । उन्होंने जो समाज सेवा की है वह बहुत ही अनुकरणीय है, उसी का नतीजा है कि वह तीन बार इस विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुये और जुझारू और कर्मठ नेता के रूप में गोण्डा जनपद में उभरे । उनके निधन से बहुत ही कमी महसूस हो रही है । उनके निधन से गोण्डा जनपद में एक समाज सेवी की कमी हो गयी है और उस कमी को पूरा कर पाना बड़ा मुश्किल है । वह भारतीय जनता पार्टी के बहुत ही कर्मठ ईमानदार और योग्य कार्यकर्ता थे । मेरा आपसे निवेदन है कि मेरी और दल की शोक संवेदनायें उनके परिवार वालों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

दूसरे सदस्य श्री जसवन्त सिंह का निधन हो गया है, वह कानपुर देहात से इस विधान सभा में निर्वाचित होकर आये थे । उनकी मृत्यु एक दुर्घटना में हो गयी, मैं तो उसको एक दुर्घटना ही कहूंगा । श्री जसवन्त सिंह बहुत ही जुझारू और ईमानदार व्यक्ति थे । ऐसा व्यक्ति कानपुर देहात ने खो दिया है । समाजवादी पार्टी के वह एक कर्मठ कार्यकर्ता थे । उनकी मृत्यु से हम सभी को बड़ा झटका लगा है । मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से उनके शोक संतप्त परिवार को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे निवेदन करता हूं कि उसे उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

*श्री राम स्वरूप सिंह–

मान्यवर, माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने नेता विरोधी दल ने और अन्य नेताओं ने जो विचार व्यक्त किये हैं, मैं उनसे अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं। श्री श्रीराम सिंह गोण्डा जनपद के रहने वाले थे और भारतीय जनता पार्टी के विधायक थे। उनके निधन से भारतीय जनता पार्टी को बहुत गम्भीर झटका लगा है । मैं अपनी ओर से अपने दल की ओर से उनके शोक संतप्त परिवार तक शोक संवेदनाएं भेजने के लिए आपसे प्रार्थना करता हूं ।

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

श्री जसवन्त सिंह एक नौजवान और जुझारू और बहादुर विधायक थे । उनकी मृत्यु से उनके परिवार और अपने दल को जो दुःख पहुंचा है, वह बहुत गम्भीर बात है । मैं उसके लिये गम्भीर दुःख प्रकट करता हूं । मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से आपसे प्रार्थना करता हूं कि हमारी संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

*श्री महबूब अली–

मान्यवर, श्री श्रीराम सिंह जी एवं श्री जसवन्त सिंह जी के निधन पर माननीय संसदीय कार्य मंत्री, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता बहुजन समाज पार्टी, माननीय नेता कांग्रेस पार्टी, माननीय नेता जनता दल, माननीय नेता कम्युनिस्ट पार्टी, माननीय नेता कम्युनिस्ट पार्टी ने जो विचार रखे हैं मैं अपने आपको उससे सम्बद्ध करता हूं ।

माननीय श्री श्रीराम सिंह जी इस सदन के सदस्य रहे, वह भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर तीन बार चुने गये और इस विधान सभा के सदस्य रहे, सामाजिक कार्यों के आन्दोलन में वह कई बार जेल गये और पिछली बार अक्तूबर के दंगे में जेल गये थे। मैं श्री राम सिंह जी के शोकाकुल परिवार को आपके माध्यम से अपनी शोक संवेदना भेजने का अनुरोध करता हूं ।

श्रीमन् माननीय जसवन्त सिंह जी की अचानक बहुत ही कम उम्र में मृत्यु हो गयी। वह इस सदन के सदस्य रहे हैं उनसे कानपुर की जनता को बहुत उम्मीदें थीं । मैं अपनी शोक संवेदना उनके परिवार तक और उनकी कानपुर की जनता तक आपके माध्यम से भेजने का अनुरोध करता हूं ।

(श्री काशी सिंह ऐरी का नाम पुकारे जाने पर और उनके अनुपस्थित रहने पर)

श्री अध्यक्ष–

अभी इस सदन के स्वर्गीय सदस्य श्री श्रीराम सिंह जी एवं श्री जसवन्त सिंह जी के आकस्मिक निधन पर इस सदन के समाजवादी पार्टी के नेता श्री वर्मा जी ने एवं प्रतिपक्ष के नेता माननीय कल्याण सिंह जी, बहुजन समाज पार्टी के नेता श्री राम लखन वर्मा जी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता माननीय तिवारी जी, जनता दल के माननीय नेता श्री किरन पाल सिंह जी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता माननीय उदल जी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के नेता श्री राम स्वरूप जी ने तथा जनता दल के नेता माननीय महबूब अली जी ने जो शोकोद्गार प्रकट किये हैं उनसे अपने को सम्बद्ध करते हुए मैं कहना चाहता हूं कि इस संसार में बहुत से मनुष्य पैदा होते हैं और चले जाते हैं और प्रकृति का यह नियम भी है कि जो आयेगा वह जायेगा लेकिन कुछ ऐसी हस्तियां इस संसार में आती हैं जिनके व्यक्तित्व और कृतित्व के कारण इस संसार के लोग और उनसे संबंधित लोग उनका नाम बहुत समय तक लेते रहते हैं और बहुतों का नाम इतिहास के पन्नों में सदैव-सदैव के लिए अमर हो जाया करते हैं । जिसका जितना इतिहास

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

समाज सेवा और समाज को उठाने में हुआ करता है, समाज उतना ही ज्यादा उनका नाम अधिक समय तक लिया करती है और यह भी सही है कि जो ज्यादा नजदीक हुआ करते हैं उनके प्रति ज्यादा संवेदना प्रकट की जाती है और हृदय में वेदना भी हुआ करती है। अखबारों में भी जैसा हम नाम पढ़ा करते हैं कि आज फलां की मृत्यु हो गयी, इतने लोग फलां जगह मारे गए, लेकिन हैडिंग पर नजर डालकर विस्तार में नहीं जाते हैं कि उनका हमारा कोई विशेष वास्ता नहीं है। आज हम सब लोग यहां बैठकर श्री श्रीराम सिंह जी और श्री जसवन्त सिंह जी के प्रति अपने शोकोद्गार इसीलिए प्रकट कर रहे हैं कि वे हमारे बीच में बहुत समय तक रहे। हालांकि जसवन्त सिंह जी प्रथम बार ही चुनकर आए थे श्री श्रीराम सिंह जी तीन बार इस माननीय सदन के सदस्य रहे उनकी सेवाएं बहुत समय तक इस सदन को मिली, जनता को मिली। परन्तु जसवन्त सिंह जी ने अपनी छोटी सी उम्र में समाज सेवा के आधार पर इस सदन में बैठने का अवसर प्राप्त किया। हम सब लोगों के बीच में बैठकर समाज को आगे बढ़ाने के लिए, राजनीति को स्वच्छ दिशा देने के लिए बहुत कुछ प्रयास किए। इसलिए मैं अपनी ओर से उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को सद्गति प्रदान करें और उनके परिवारजनों को धैर्य धारण करने की क्षमता प्रदान करें। हम अपनी भावनाओं से, आप सबकी भावनाओं से उनके परिवारजनों को अवगत करा देंगे और आपका संदेश भी पहुंचा देंगे। अब हम सब लोग दो मिनट तक खड़े होकर मौन रूप से उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

(सभी सदस्यों ने दो मिनट मौन खड़े होकर श्रद्धांजलि अर्पित की)

विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्रीमती सूर्यमुखी शर्मा, श्री कृष्ण स्वरूप वैश्य, श्री ओम प्रकाश, श्री छेदालाल चौधरी, श्री रघुवीर सिंह यादव, श्री सईद अहमद अंसारी, श्री मसरूर जाफरी उर्फ अबरोज, श्री मोहन लाल, श्री कैलाश प्रसाद, श्री राम भजन लाल, श्री तुलाराम, श्री बर्जन राम, सुश्री उर्मिला अग्निहोत्री, श्री लटूरी सिंह, श्री राजेन्द्र कुमार गर्ग तथा श्री उमादत्त शर्मा के निधन पर शोकोद्गार

लोक निर्माण तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

श्रीमन् हम लोग 27 अप्रैल, 1994 को अनिश्चित काल के लिए उठे थे और आज पुनः बैठ रहे हैं। इतने कम अन्तराल में तकलीफ के साथ इस सदन को सूचना देनी पड़ रही है कि हमारे बीच में, वैसे 16 हैं, लेकिन 15 भूतपूर्व सदस्य नहीं रहे। एक की सूचना नहीं आई है इसलिए उनको मिलाकर 16 हो गए हैं। श्रीमती सूर्यमुखी शर्मा, 1977 में इस विधान सभा की सदस्या चुनी गयीं। हमको भी उनके साथ काम करने का अवसर मिला। वे बहुत ही मृदुभाषी और अच्छे स्वभाव की महिला थीं। झांसी जनपद में समाज सेवा में उनका प्रमुख स्थान था। आज वे हम लोगों के बीच में नहीं हैं। 2 मई, 1994 को उनका निधन हो गया था। हम अपनी ओर से और सत्ता पक्ष की ओर से आपसे अनुरोध करते हैं कि उनके परिवारजनों को हमारी संवेदना भेजने की कृपा करें।

श्रीमन्, श्री कृष्ण स्वरूप वैश्य भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेताओं में से थे इस प्रदेश के । उनके साथ भी हमें काम करने का अवसर मिला । मंत्रिमंडल में भी दो बार उनको सेवा करने का अवसर मिला । 29 सितम्बर, 1934 को बदायूं जनपद में उनका जन्म हुआ और 4 मई, 1994 को हृदय गति रुक जाने से उनका निधन हो गया । 1969, 77, 89 और 91 में चार बार इस विधान सभा की सेवा करने का उनको अवसर मिला । वे एक अच्छे अधिवक्ता थे । आज हम लोगों के बीच में नहीं हैं । वे भारतीय जनता पार्टी के बदायूं जनपद के अध्यक्ष भी रहे । उनके निधन से भारतीय जनता पार्टी को एक अच्छे समाज सेवी की कमी आयी है । हम आपसे अनुरोध करेंगे कि उनके परिवार के शोक संतप्त जनों को हमारी संवेदनाएं भेजने की कृपा करें ।

श्री ओम प्रकाश का निधन 12 मई, 1994 को हो गया । वे 1974 में मुरादाबाद देहात से इस सदन के लिए सदस्य निर्वाचित हुए । 6 मई, 1940 को दिल्ली में उनका जन्म हुआ । वे एक अच्छे कृषक नेताओं में से थे, व्यापारी थे और अच्छे खिलाड़ी भी थे । उनके निधन से एक अच्छे समाज सेवी की कमी आयी है । हम आपसे अनुरोध करेंगे कि उनके शोक संतप्त परिवार तक हमारी संवेदनायें भेजने की कृपा करें ।

श्री छेदा लाल चौधरी का निधन 2 जून, 1994 को हो गया । उनका जन्म 1923 में जनपद खीरी में हुआ था । वे 1952, 62, 69, 74 और 79 में छः बार इस माननीय सदन के सदस्य निर्वाचित हुए । वे जिला परिषद् खीरी के सदस्य भी रहे । वे उत्तर प्रदेश में मंत्री भी रहे, 1980 में । उनकी गिनती अच्छे पत्रकारों में की जाती थी, दलितों की सेवा में उनकी प्रमुख रुचि थी । उनके निधन से कमजोर वर्गों का एक नेता हम लोगों के बीच में नहीं रहा । हम आपसे अनुरोध करेंगे कि उनके शोक संतप्त परिवार तक हमारी संवेदनाएं पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री रघुवीर सिंह यादव, मैनपुरी जनपद से 1967, 69, 74, 80 और 85 में पांच बार इस माननीय सदन के सदस्य निर्वाचित हुए । वे बड़े मृदुभाषी, लोकप्रिय और अच्छे सामाजिक कार्यकर्ता थे । हमारा उनका व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क था । निधन के थोड़े दिन पहले हमारी उनकी कई मसलों पर बातचीत हुई थी । अचानक उनका भी निधन हो गया, वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थे और मंत्रि-परिषद् के सदस्य भी रहे । एक ऐसे नेता के निधन से निश्चित रूप से सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र में एक बहुत बड़ी कमी आई है । आपसे प्रार्थना है कि उनके परिजनों तक हमारी संवेदना भेजने की कृपा करें ।

श्रीमन्, श्री सईद अहमद अंसारी का निधन 9 जून, 1994 को हो गया । जिला सहारनपुर में उनका जन्म हुआ था, वह तीन बार इस विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए । सहारनपुर जनपद के विकास में उनकी विशेष अभिरुचि थी, उनके निधन से सामाजिक क्षेत्र में एक बहुत अच्छे काम करने वाले नेता की कमी आई है । आपसे प्रार्थना है कि हमारी संवेदना उनके परिजनों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्रीमन्, श्री मसरूर जाफरी गोण्डा जनपद के निवासी थे । वर्ष 1980 के चुनाव में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के टिकट पर वह इस सदन के सदस्य निर्वाचित हुए थे, बाद में वह हमारे दल में शामिल हो गये, दिनांक 18 जून, 1994 को उनका निधन हो गया । वर्ष 1948 में उनका जन्म हुआ था । साम्यवादी आन्दोलनों में कई बार जनसमस्याओं को लेकर सत्याग्रह करके वह जेल भी गये, उनके निधन से गोंडा जनपद में एक अच्छे समाजसेवी की कमी आई है । आपसे अनुरोध करूंगा कि उनके परिजनों को हमारी संवेदना भेजने की आप कृपा करें ।

श्री मोहन लाल जी का निधन 19 जून, 1994 को हो गया । उनका जन्म 1921 में जनपद हमीरपुर में हुआ था । वर्ष 1957, 1962, 1969, 1977 तथा 1980 के चुनावों में वह इस विधान सभा के सदस्य निर्वाचित होकर आये । दलितों और कमजोर वर्गों की सहायता करने में उनकी विशेष अभिरुचि थी । वह उपमंत्री भी रहे, उनके निधन से एक अच्छे सामाजिक क्षेत्र में आवाज उठाने वाले नेता की कमी आई है । आपसे अनुरोध है कि उनके परिजनों तक हमारी संवेदना भेजने की कृपा करें ।

श्री कैलाश प्रसाद की 19 जून, 1994 को बड़े ही क्रूर तरीके से हत्या कर दी गयी, आज वह हमारे बीच में नहीं हैं । गोरखपुर जनपद में 3 फरवरी, 1930 को उनका जन्म हुआ था । कृषकों और दलितों की सेवा में उनकी विशेष अभिरुचि थी । आपसे अनुरोध है कि उनके परिजनों तक भी हमारी संवेदना भेजने की कृपा करें ।

श्री राम भजन लाल जी का 21 जून, 1994 को निधन हुआ । वर्ष 1940 में उनका जन्म हुआ था । श्री राम भजन लाल जी 1952, 1962, 1980 एवं 1985 में इस सदन के सदस्य रहे । शायद में गलती से उनका जन्म 1940 बोल गया, वह काफी लम्बी उम्र के थे । वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी रहे, कृषि के क्षेत्र में उनकी विशेष अभिरुचि थी । आपसे अनुरोध है कि हमारी संवेदना उनके परिजनों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री तुला राम जी का 27 जून, 1994 को निधन हो गया । 1 अक्टूबर, 1914 को लखना, जनपद इटावा में उनका जन्म हुआ था । 1952 के प्रथम विधान सभा में इस सदन के सदस्य रहे । इसके पश्चात् 1957, 62, 67 एवं 71 में लोक सभा के लिए निर्वाचित हुये । श्रीमन्, वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे । उन्होंने अध्यापन का कार्य भी किया । एक विद्वान और राष्ट्रीय आन्दोलन का सिपाही हम लोगों के बीच नहीं है । आपसे अनुरोध है कि उनके परिजनों तक हमारी और हमारे दल की संवेदना भेजने की कृपा करें ।

श्रीमन्, श्री दर्शन राम 20 जुलाई, 1994 को हम लोगों के बीच में नहीं रहे । जनपद बांदा में उनका जन्म हुआ था । 1952 में वह इस विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे । वह एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे । निश्चित रूप से जिन लोगों की त्याग, तपस्या से आज हम सभी लोग यहां पर इस हैसियत से बैठे हैं, उनका निधन ज्यादा कष्टदायी होता है । आपसे अनुरोध है कि उनके परिवार जनों तक भी हमारी और हमारे दल की शोक-संवेदना भेजने की कृपा करें ।

श्रीमन्, सुश्री उर्मिला अग्निहोत्री का निधन 22 जुलाई, 1994 को हो गया । 15 अगस्त, 1940 को एटा में उनका जन्म हुआ था । 1980 और 85 में इस विधान सभा की सदस्या निर्वाचित हुई । वह एक वकील होने के साथ-साथ एक अच्छी सामाजिक कार्यकर्ता थी, कई संस्थाओं और संगठनों से वह जुड़ी हुई थी । उनके निधन से निश्चित रूप से एक अच्छे सामाजिक कार्यकर्ता की कमी हुई है । आपसे अनुरोध है कि उनके परिवार जनों तक हमारी और हमारे दल की शोक-संवेदना भेजने की कृपा करें ।

श्रीमन्, श्री लटूरी सिंह जी 24 जून, 1994 को हम लोगों के बीच में नहीं रहे। 1927 को उनका जन्म एटा जनपद में हुआ था । 1967, 74, 80 और 1989 में वे इस विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे । श्रीमन्, वह एक बहुत प्रभावशाली और प्रतिभावान व्यक्ति थे और हम सब लोगों से विशेष रूप से परिचित थे । उनके न रहने से एक बहुत ही बहादुर समाजवादी सिपाही की कमी आयी है । आपसे अनुरोध है कि उनके परिजनों को हमारी और हमारे दल की शोक-संवेदना भेजने की कृपा करें ।

श्रीमन्, श्री राजेन्द्र कुमार गर्ग बहुत अच्छे अधिवक्ता थे । उन्हें इस सदन में आने का मौका मिला । हम भी प्रथम बार 1974 में निर्वाचित हुए थे । उनकी बहस जो यहां विधान सभा में होती थी वह सीख लेने वाली होती थी और श्रीमन्, इतने उदार व्यक्ति थे कि कमजोर लोगों को अपने वकालत के पेशे में मुफ्त मदद करते थे । श्रीमन्, एक अच्छा समाजवादी विचारक भी अगर उनको कहा जाये तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी । वकील होते हुए भी अगर देश और समाज पर कोई संकट की बात आती थी तो उसमें वह बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे । हमारे व्यक्तिगत मित्रों में से भी थे । उनकी मृत्यु एक सड़क दुर्घटना में हो गयी, वह आज हमारे बीच में नहीं हैं । उनके कोई संतान नहीं है, सिर्फ उनकी पत्नी हैं । श्रीमन्, हमारी ओर से और हमारे दल की ओर से उनकी पत्नी या अन्य मित्रगण हों उन तक हार्दिक श्रद्धांजलि और संवेदना पहुंचाने की कृपा करें ।

श्रीमन्, श्री उमादत्त शर्मा का दिनांक 7 अगस्त, 1994 को निधन हुआ । इनका जन्म 16 जनवरी, 1914 को जनपद मेरठ में हुआ था । श्री शर्मा वर्ष 1969 के चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर कैण्ट क्षेत्र, जनपद मेरठ से निर्वाचित हुए थे । ये उन लोगों में से हैं जिन्होंने देश को आजादी दिलाने में अपनी जिन्दगी को लगाया, ये स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थे और सरकार में मंत्री भी रहे हैं । ऐसे लोगों के न रहने से निश्चित रूप से सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में एक बड़ा अभाव पैदा होता है । अतः अनुरोध है कि हमारे दल और सत्तापक्ष की तरफ से शोक संवेदनायें इनके परिवारजनों को भेजने की कृपा करें ।

नेता विरोधी दल (श्री कल्याण सिंह)–

श्रीमन्, जिन 16 दिवंगत आत्माओं के प्रति माननीय संसदीय कार्य मंत्री ने शोकोद्गार व्यक्त किये हैं, उनके साथ अपने को और अपने दल को संबद्ध करता हूं । मान्यवर, किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व और उसका नेतृत्व न तो एक दिन में बना

करता है और न ही एक दिन में विकसित हुआ करता है । व्यक्तित्व के निर्माण में और नेतृत्व के विकास में एक लम्बा रास्ता तय करना होता है । जनसेवा की, जनता की जिन्दगी से जुड़े हुए सवालों के प्रति संघर्ष करने की, तभी व्यक्तित्व में निखार आता है और नेतृत्व भी विकसित होता है और इसलिए जब इस प्रकार का व्यक्तित्व हमारे बीच से उठता है तो एक क्षति केवल एक परिवार विशेष की नहीं है, यह क्षति दल विशेष की नहीं है, बल्कि समूचे समाज की क्षति होती है, जिसकी भरपाई करना कई बार कठिन होता है और कई बार बहुत लम्बे समय के बाद उसकी भरपाई हो पाती है । यह बहुत ही गहरे दुःख की बात है कि आज एक नहीं बल्कि 16-16 ऐसे व्यक्तित्व हमारे बीच से उठ गये हैं, जो व्यक्तित्व के धनी थे, जिनके नेतृत्व में सामान्य जनता ही नहीं बल्कि सभी लोगों ने अपना विश्वास व्यक्त किया था । जनसेवा के माध्यम से उन्होंने औरों के सामने भी एक अच्छे उदाहरण प्रस्तुत किये थे । श्रीमन्, श्रीमती सुमुखी शर्मा, झांसी इस सम्मानित सदन की एक बार सदस्या निर्वाचित हुयीं । श्री कृष्ण स्वरूप वैश्य बदायूं इस सदन के चार बार सदस्य निर्वाचित हुए । श्री ओम प्रकाश, मुरादाबाद इस सम्मानित सदन के एक बार सदस्य निर्वाचित हुए ।

श्री छेदा लाल चौधरी, खीरी से छः बार सदन के सदस्य निर्वाचित हुए । श्री रघुवीर सिंह यादव, मैनपुरी से पांच बार इस सदन के सदस्य निर्वाचित हुए । श्री सईद अहमद अंसारी, हरिद्वार से तीन बार सदन के सदस्य निर्वाचित हुए । श्री मसरूर जाफरी उर्फ शबराज, गोंडा एक बार सदन के सदस्य निर्वाचित हुए । श्री मोहन लाल, हमीरपुर से पांच बार इस सदन के सदस्य निर्वाचित हुए । श्री कैलाश प्रसाद, गोरखपुर से दो बार चुने गये । श्री राम भजन लाल, खीरी इस सदन के चार बार सदस्य निर्वाचित हुये । श्री तुला राम, इटावा इस सदन के एक बार सदस्य निर्वाचित हुए और चार बार लोक सभा के लिए चुने गये । श्री दर्शन राम, बांदा से इस सदन के सदस्य एक बार रहे । सुश्री उर्मिला अग्निहोत्री, एटा से दो बार इस सम्मानित सदन की सदस्या निर्वाचित हुयीं । श्री लटूरी सिंह, एटा से चार बार इस सदन के सदस्य चुने गये । श्री आर0 के0 गर्ग, हरिद्वार से एक बार सदन के सदस्य निर्वाचित हुए । श्री उमादत्त शर्मा, मेरठ से एक बार सदन के सदस्य निर्वाचित हुए ।

ये सभी अपने क्षेत्रों में ही नहीं बल्कि व्यापक क्षेत्र में लोगों को नेतृत्व प्रदान करने वाली जानी-मानी हस्तियां रही हैं । विभिन्न प्रकार के कार्यक्षेत्रों में कार्य किया, चाहे शिक्षण संस्थाओं का काम हो, चाहे राजनैतिक माध्यम से समाज सेवा का काम हो । ऐसे माननीय सदस्य आज हमारे बीच नहीं रहे, जिन्होंने महत्वपूर्ण पदों पर रहकर अपने उत्तरदायित्वों का बहुत ही सफलतापूर्वक निर्वहन किया । आज इन 16 व्यक्तित्व के हमारे बीच से उठ जाने से हमें बहुत दुख है । मैं इसे पूरे प्रदेश की भारी क्षति मानता हूं । मैं अपनी ओर से अपने दल के की ओर से इन सभी 16 व्यक्तित्वों के के प्रति बहुत ही सम्मान से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और इन दिवंगत आत्माओं के शोकाकुल परिवारों को इस गहरे दुःख को सहने की शक्ति भगवान प्रदान करें । आपसे प्रार्थना है कि हमारे ये शोक-संवेदना के भाव उनके शोकाकुल परिवारों तक पहुंचाने का कष्ट करें ।

पंचायती राज मंत्री (श्री राम लखन वर्मा)–

मान्यवर, 16 व्यक्तित्व, जो आज हमारे बीच नहीं रहे, इनके निधन के संबंध में माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी द्वारा, माननीय नेता विरोधी दल द्वारा जो शोक संवेदनायें प्रकट की गयी हैं, उनसे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं। इन दिवंगत आत्माओं में श्रीमती सूर्यमुखी शर्मा, श्री कृष्ण स्वरूप वैश्य, श्री ओम प्रकाश, श्री छेदालाल चौधरी, श्री रघुबीर सिंह यादव, श्री सईद अहमद अंसारी, श्री मसरूर जाफरी उर्फ शबराज, श्री मोहन लाल, श्री कैलाश प्रसाद, श्री राम भजन लाल, श्री तुलाराम, श्री दर्शन राम, सुश्री उर्मिला अग्निहोत्री, श्री लटूरी सिंह, श्री आर0 के0 गर्ग, श्री उमादत्त शर्मा जी हैं। इन सभी लोगों ने समर्पित भाव से कहीं न कहीं समाज की सेवा की है। इन सभी लोगों को मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि शोक संवेदना के ये भाव उनके शोकाकुल परिवारों तक पहुंचाने का कष्ट करें।

श्री प्रभाद तिवारी–

मान्यवर, जो 16 व्यक्तित्व आज हमारे बीच नहीं रहे, जिनके निधन के बारे में माननीय संसदीय कार्य मंत्री, नेता, भारतीय जनता पार्टी, नेता बहुजन समाजवादी पार्टी ने जो शोकोद्गार व्यक्त किए हैं, उनसे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं। मैं विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूंगा श्रीमती सूर्य मुखी शर्मा जी के बारे में। इनके निधन से एक समाज सेवी महिला का अन्त हो गया। श्री कृष्ण स्वरूप वैश्य जी भी कई पदों पर आसीन रहे और मंत्री के रूप में भी रहे। मंत्री के रूप में वह एक व्यवहार कुशल व्यक्ति थे। श्री ओम प्रकाश जी भी इस सदन के सदस्य उन्होंने भी समाज की सेवा की। यद्यपि वह एक ही बार यहां पर चुनकर आये परन्तु उन्होंने अपने कार्यों से एक अमिट छाप छोड़ी। श्री छेदालाल चौधरी जी 1980 में हम लोगों के साथ थे। दलितों की सेवा के लिए वह समर्पित रहे, सम्पादक के रूप में उन्होंने कार्य किया, मंत्री के रूप में उन्होंने कार्य किया और साथ ही भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए भी उन्होंने कार्य किया। स्व0श्री रघुवीर सिंह यादव कई बार मैनपुरी से विधायक चुने गये उनको मैंने दो बार मंत्री के रूप में कार्य करते हुए देखा है। वह अत्यंत सीधे व सरल एवं विनम्र स्वभाव के अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित व्यक्ति थे। उनके निधन से मैनपुरी ने एक सच्चा समाजसेवी और हमारे दल ने महत्वपूर्ण साथी खो दिया है।

मान्यवर, श्री सईद अहमद अंसारी के निधन से सहारनपुर जिले ने एक सच्चा समाजसेवी खो दिया है उन्होंने सहारनपुर जनपद की उन्नति में बहुत योगदान दिया।

स्व0 श्री मसरूर जाफरी के निधन से विशेषरूप से गोंडा जनपद ने सच्चा समाज-सेवी खो दिया है और कम्युनिस्ट पार्टी को उनके निधन से गहरा आघात लगा है।

स्व0 श्री मोहन लाल जो हमारे साथी थे वह कई बार हमीरपुर जनपद के चरखारी से निर्वाचित होकर आये और यहां उप मंत्री के रूप में भी रहे वह अपने क्षेत्र के विकास में सदैव समर्पित रहे। उन्हें ज्योतिष विद्या का भी अच्छा ज्ञान था।

स्व0 श्री कैलाश प्रसाद जी की जिस प्रकार हत्या की गयी वह हम सभी के लिये अत्यन्त दु:ख की बात है । मेरा शासन से आग्रह है जो भी इसमें दोषी हो उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाय ताकि उनके हत्यारों को सजा मिल सके ।

स्व0 श्री राम भजन लाल जी के निधन से जनपद लखीमपुर खीरी ने एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और समाज सेवी खो दिया है ।

स्व0 श्री तुलाराम जी के निधन से इटावा को अपूर्णीय क्षति हुई है और हमने एक सच्चा नेता खो दिया है । वह जीवन भर प्रदेश और गांवों की सेवा करते रहे ।

स्व0 श्री दशमि राम जी के निधन से बांदा ने एक लोकप्रिय नेता और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी खो दिया है उन्होंने स्वतंत्रता की लड़ाई में बढ़-चढ़कर काम किया था ।

मान्यवर, माननीया उर्मिला अग्निहोत्री जी के निधन से हमें अत्यन्त दुख हुआ । उनके साथ हमें बहुत समय तक लगातार काम करने का अवसर मिला है । वह अत्यन्त सहृदय और मृदु स्वभाव की थी, वह साहसी और दृढ़ विचार की समाजसेवी थी । उन्होंने एडवोकेट के रूप में अपना कार्य प्रारम्भ किया । उनके निधन से हमने अपना सच्चा साथी खो दिया है ।

स्व0 श्री लटूरी सिंह जी के निधन से एटा जनपद की अपूर्णीय क्षति हुई और एक बहुत ही साहसी व्यक्ति का अन्त हुआ है । वह हमेशा अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित थे । उनको जब इलाहाबाद में हाईकोर्ट में गोली मारी गयी उस समय उन्होंने जिस साहस और धैर्य का परिचय दिया वह सदा याद रहेगा । वह अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण ही उस समय जिंदा रहे । मैं उस समय वहीं था उनको जिस हालत में अस्पताल ले गए वह उनकी दृढ़ इच्छा शक्ति ही थी । वह मुझसे कहते थे कि मैं आपको हमेशा याद करूंगा आपने मुझे बचा लिया । उनके निधन से हमने एक घनिष्ठ मित्र खो दिया है ।

स्व0 श्री राजेन्द्र कुमार गर्ग एक उच्च कोटि के वकील थे । उनकी गिनती चोटी के वकीलों में की जाती है । वह गरीबों के हितैषी थे और सर्वोच्च न्यायालय में गरीबों और मजदूरों की वकालत वह नि:शुल्क करते थे । जहां कम्युनिस्ट पार्टी ने सच्चा साथी खो दिया है वहीं देश ने एक बहुत बड़ा संविधान का जानकार खो दिया है । उनके साथ इलाहाबाद हाई कोर्ट में काम करने का मुझे मौका मिला है वह दक्ष मेधावी और विलक्षण बुद्धि के व्यक्ति थे । उनके हृदय में मजदूरों के लिए दर्द था और जब कोई मजदूर उनके पास आता था तो वह नि:शुल्क उसकी पैरवी करते थे ।

स्व0 उमा दत्त शर्मा जी के निधन से मेरठ ने एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और समाजसेवी खो दिया है ।

इन सभी सम्मानित विभूतियों के प्रति जो उद्गार हमारे साथी माननीय संसदीय कार्य मंत्री, नेता विरोधी दल, माननीय राम लखन वर्मा जी ने व्यक्त किए हैं मैं उनके अपने और अपने दल को संबद्ध करता हूं और आपसे निवेदन है कि उनके शोक संतप्त परिवार तक हमारी संवेदना पहुंचाने का कष्ट करें ।

श्री किरन पाल सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, जिन भूतपूर्व सम्मानित सदस्यों के निधन पर जो शोकोद्गार माननीय संसदीय कार्य मंत्री, माननीय प्रतिपक्ष के नेता, माननीय नेता ब0स0पा0 और माननीय नेता कांग्रेस ने व्यक्त किए हैं उनसे मैं अपने को और अपने दल को संबद्ध करता हूं । मान्यवर, श्रीमती सूर्यमुखी शर्मा, श्री कृष्ण स्वरूप वैश्य, श्री ओमप्रकाश, श्री छेदा लाल चौधरी, श्री रघुवीर सिंह यादव, श्री सईद अहमद अंसारी, श्री मसरूर जाफरी उर्फ शबराज, श्री मोहन लाल, श्री कैलाश प्रसाद, श्री राम भजन लाल, श्री तुलाराम; श्री दर्शन राम, सुश्री उर्मिला अग्निहोत्री, श्री लटूरी सिंह, श्री राजेन्द्र कुमार दर्ग, श्री उमादत्त शर्मा जी इस विधान सभा के विभिन्न वर्षों में सदस्य रहे । मान्यवर, इनमें से अनेक सदस्यों के साथ मैंने वर्ष 1980 से आज तक काम किया और उनकी बहुत सी यादें मेरे साथ हैं । मान्यवर, इन सभी भूतपूर्व सदस्यों के निधन से मैं और मेरा दल दुखी है । मैं और मेरा दल आपसे आग्रह करता है कि मेरी और मेरे दल की तरफ से इन सभी दिवंगत आत्माओं को जो हमको छोड़कर चले गए हैं उनके शोकाकुल परिवार को और उनके नजदीकी लोगों को शोक संवेदनाएं पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री उदल–

मान्यवर, श्रीमती सूर्यमुखी शर्मा जी हमारे बीच में नहीं रहीं और दूसरे माननीय श्री कृष्ण स्वरूप वैश्य, जो मंत्री रह चुके थे बहुत ही सुशील, कर्मठ नेता थे और साथ ही मृदुभाषी थे जिनका अल्प आयु में निधन हो गया, जिनसे बहुत सी आशाएं थीं और वह भारतीय जनता पार्टी के गिने चुने देश के नेताओं में थे उनके निधन से भारतीय जनता पार्टी की अपार क्षति हुई है ।

मान्यवर, इसी तरह से ओम प्रकाश जी का निधन 12 मई, 1994 को हो गया । इसी तरह से श्री छेदा लाल जी का निधन 2 जून, 1994 को हो गया । मान्यवर, यह बहुत ही निष्ठावान थे । वह अनुसूचित जातियों एवं जन जातियों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते थे । उनके निधन से प्रदेश का बहुत नुकसान हुआ है ।

इसी तरह से श्री रघुवीर सिंह यादव, जो यहां मंत्री भी रह चुके थे, वह बहुत ही सरल स्वभाव के व्यक्ति थे और मुझे उनके साथ रहने का मौका मिला है । उनकी निधन से काफी क्षति हुई है ।

श्रीमन्, सईद अहमद अंसारी जी बहुत ही अच्छे इंसान थे । वह बहुत अच्छे वक्ता भी थे । उनके निधन से जनपद सहारनपुर की बहुत बड़ी क्षति हुई है ।

इसी तरह से श्री मसरूर जाफरी हमारी पार्टी के टिकट पर चुने गए थे वर्ष 1980 में और बहुत ही जल्दी उनका निधन हो गया । यह भी कर्मठ और जुझारू कार्यकर्ता थे ।

इसी तरह से श्री मोहन लाल जी जो जनपद हमीरपुर के रहने वाले थे और कई बार इस विधान सभा के सदस्य रहे । यह भी अच्छे लोगों में से थे और दलितों तथा पिछड़ों की सेवा में हमेशा ही तत्पर रहा करते थे । उनके भी निधन से बहुत बड़ी क्षति हुई है ।

स्वर्गीय कैलाश प्रसाद का भी निधन हो गया । यह एक कृषक और कृषि के साथ-साथ राजनीति से और सामाजिक कार्यों से भी जुड़े रहते थे, और हरिजनों और दलितों की सेवा में हमेशा ही लगे रहते थे । इनके निधन से श्रीमन्, गोरखपुर जनपद को बहुत बड़ी क्षति हुई है और एक समाजसेवी हमारे बीच से उठ गया ।

श्री राम भजन लाल भी बहुत अच्छे और मृदुभाषी और अच्छे कुशल नेताओं में से थे । श्रीमन्, इन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था और सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे । वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आज धीरे-धीरे हमारे बीच से उठते जा रहे हैं, यह हमारे लिए बड़े दुख और चिन्ता की बात है । उनके निधन से भी हमने बहुत बड़ा स्वतंत्रता सेनानी और समाजसेवी खो दिया है ।

मान्यवर, तुलाराम जी का निधन 27 जून, 94 को हो गया । इस समय इनकी आयु लगभग 80 वर्ष की थी । यह औरैया, जनपद इटावा से कांग्रेस के टिकट पर दो-तीन बार विधान सभा के लिए चुने गए थे और वह लोक सभा के भी सदस्य रहे । इनके भी निधन से एक अच्छा कांग्रेसी नेता और समाजसेवी हमारे बीच से उठ गया और उनके निधन से हुई क्षति की पूर्ति नहीं हो सकती ।

दर्शन राम जी का भी देहान्त हो गया । वह जनपद बांदा के रहने वाले थे । यह सन् 1952 के प्रथम चुनाव में प्रथम बार इस सदन में चुनकर आये थे । स्वतंत्रता संग्राम में भी इन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था और गरीबों तथा दलित लोगों की भलाई के लिए हमेशा तत्पर रहा करते थे । वह अपने क्षेत्र में बहुत ही लोकप्रिय थे । उनके निधन से बांदा का बहुत बड़ा लोकप्रिय नेता हमने खो दिया है ।

इसी तरह से श्रीमती उर्मिला जी दो बार इस विधान सभा की सदस्या रही हैं । वह वकील भी थीं । वकालत का पेशा भी किया और कई संस्थाओं से इनका संबंध रहा है । यह कांग्रेस की एक अच्छी और कुशल कार्यकर्ता रही हैं । इन्होंने जनपद एटा और उसके आसपास के जिलों में अच्छा कार्य किया था । इनके निधन से कांग्रेस की और प्रदेश की एक अच्छी समाजसेविका हमारे बीच से उठ गयी, जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती ।

लटूरी सिंह जी, जैसा कि प्रमोद तिवारी जी ने कहा, बहुत ही संघर्षशील व्यक्ति थे । वह हमेशा अपनी जिन्दगी को हाथों में लिए घूमा करते थे । उनकी अपने पिछड़ों के साथ चाहे जो बात रही हो, किन्तु निश्चित रूप से वह एक संघर्षशील और जुझारू नेता थे । वह हमारी विधान सभा के सदस्य रहे । उनके निधन से भी आज काफी क्षति हुई है । वह शिक्षा के और विकास के कार्यों के लिए तथा दीन दुखियों की सहायता में हमेशा तत्पर रहा करते थे । इसलिए उनके निधन से भी काफी क्षति हुई है ।

श्री राजेन्द्र कुमार गर्ग, जैसा कि प्रमोद जी ने कहा है, हमारे देश के जाने-माने संविधान के ज्ञाता थे । वह इस क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति के लोगों में से एक थे । वह हमारी पार्टी के सदस्य थे और सामाजिक कार्यों में उनकी बड़ी रुचि थी और हमारी पार्टी के टिकट पर ही चुने गए थे । मान्यवर, उनका दुखद अन्त रात में हुआ । वह एक सामाजिक कार्य से दिल्ली से सहारनपुर मारुती कार पर जा रहे थे ।

(समय 12 बजकर 30 मिनट पर)

मारुति गाड़ी सकरी सड़क पर जा रही थी । आगे की ओर से ट्रक आ रहा था । ट्रक से गाड़ी टकरा गयी और दो लोगों की श्री अतुल लहरी जो हमारी पार्टी से सम्बद्ध थे, उनकी और श्री आर0 के0 गर्ग की दुःखद मृत्यु हो गयी । गाड़ी में अंग छिन्न-भिन्न हो गए । काटकर निकाला गया, कोई पहचान नहीं सकता था । मैं समझता हूं कम्युनिस्ट पार्टी के नुकसान के साथ-साथ, देश के संविधान के जो ज्ञाता थे, उसकी भी क्षति हुई है । किसानों, मजदूरों और कर्मचारियों को भी क्षति हुई है जिनका निःशुल्क बिना पैसे लिए सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा लड़ते थे । मान्यवर, इनके निधन से एक अपूर्णनीय क्षति हुई है ।

श्रीमन्, श्री उमादत्त शर्मा जी के निधन से भी काफी बड़ी क्षति हुई है । वह डाक्टर थे, इन्हें आयुर्वेदाचार्य की उपाधि मिली थी । 1969 में कांग्रेस के टिकट पर मेरठ से चुनकर आए थे । कई बार जेल भी गए और हमारी राज्य सरकार में राज्य मंत्री भी रहे । वह हमारी जनता के दर्द को सुना करते थे । बहुत ही मृदुभाषी थे । जो भी लोग इनसे मिलने जाते उनसे वह विनम्रतापूर्वक इस प्रकार से मिलते थे कि अपनी एक छाप उनके ऊपर छोड़ देते । मान्यवर, इन सभी माननीय सदस्यों के बारे में जो शोकोद्गार माननीय संसदीय कार्य मंत्री, नेता विरोधी दल, माननीय प्रमोद तिवारी जी, माननीय राम लखन वर्मा जी और माननीय जनता दल के नेता ने व्यक्त किए हैं मैं उससे अपने और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और आपसे निवेदन करता हूं कि हमारे दल की ओर से शोक संवेदनाएं इन भूतपूर्व माननीय सदस्यों के निधन पर उनके परिवारजनों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री रामस्वरूप सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, सभी दलों के माननीय नेताओं ने जो शोकोद्गार व्यक्त किए हैं उससे अपने दल को सम्बद्ध करते हुए श्रीमती सूर्यमुखी शर्मा, श्री कृष्ण स्वरूप वैश्य, श्री ओम प्रकाश, श्री छेदालाल चौधरी, श्री रघुवीर सिंह यादव, श्री सईद अहमद अंसारी, श्री मसरूर जाफरी उर्फ शबराज, श्री मोहन लाल, श्री कैलाश प्रसाद, श्री राम भजन लाल, श्री तुला राम, श्री दर्शन राम, सुश्री उर्मिला अग्निहोत्री, श्री लटूरी सिंह, श्री आर0 के0 गर्ग व श्री उमा दत्त शर्मा इन सभी भूतपूर्व विधान सभा के सदस्यों की मृत्यु पर शोक प्रकट करता हूं और अपने तथा अपने दल की ओर से इन सभी के परिवारजनों तक अपनी शोक संवेदनाएं भिजवाने के लिए आपसे निवेदन करता हूं ।

श्री महबूब अली–

मान्यवर, भूतपूर्व विधान सभा के माननीय सदस्यों के निधन पर सदन में उपस्थित सभी पार्टियों के नेताओं ने जो विचार व्यक्त किए हैं, उनके विचारों से मैं अपने को संबद्ध करते हुए श्रीमती सूर्यमुखी शर्मा, श्री कृष्ण स्वरूप वैश्य, श्री ओम प्रकाश, श्री छेदा लाल चौधरी, श्री रघुवीर सिंह यादव, श्री सईद अहमद अंसारी, श्री मसरूर जाफरी उर्फ शहरोज, श्री मोहन लाल, श्री कैलाश प्रसाद, श्री राम भजन लाल, तुलाराम, दर्शन राम, सुश्री उर्मिला अग्निहोत्री, श्री लटूरी सिंह, श्री आर0 के0 शर्मा, श्री उमादत्त शर्मा, श्री अकबर अली खां इन सत्रह भूतपूर्व विधान सभा के सदस्यों के निधन पर जो हमारे नेताओं ने विचार रखे उनसे अपने तथा अपने दल को सम्बद्ध करते हुए आपसे प्रार्थना करता हूं कि हमारी शोक संवेदनाएं उनके शोकाकुल परिवार को भेजने की कृपा करें ।

श्री अध्यक्ष–

सर्व सम्मानित संसदीय कार्य मंत्री बेनी प्रसाद वर्मा जी ने माननीय नेता प्रतिपक्ष ने, माननीय नेता कम्युनिस्ट पार्टी ने, माननीय नेता जनता दल ने माननीय नेता बहुजन समाजवादी पार्टी ने, माननीय नेता कांग्रेस पार्टी ने तथा अन्य नेताओं ने जो शोकोद्गार जो माननीय स्व0 सदस्य श्रीमती सूर्य मुखी शर्मा, श्री कृष्ण स्वरूप वैश्य, श्री ओम प्रकाश, श्री छेदालाल चौधरी, श्री रघुवीर सिंह यादव, श्री सईद अहमद अंसारी, श्री मसरूर जाफरी उर्फ शहरोज, श्री मोहन लाल, श्री कैलाश प्रसाद, श्री राम भजन लाल, श्री तुलाराम, श्री दर्शन राम, सुश्री उर्मिला अग्निहोत्री, श्री लटूरी सिंह, श्री आर0के0 शर्मा, श्री उमादत्त शर्मा प्रकट किए हैं मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करता हूं । यह सभी 16 स्वर्गीय माननीय सदस्य इस सदन के सदस्य थे वह हमारे बीच नहीं हैं ।

इनमें से कुछ लोग एक बार और श्री छेदा लाल जी छः बार और स्वर्गीय रघुवीर सिंह यादव पांच बार ऐसे ही अन्य बहुत से माननीय सदस्य जो हमारे बीच नहीं हैं यह सदन का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और अपने जीवनकाल में इन्हें समाज सेवी के आधार पर इस माननीय सदन में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और इस सदन में रहकर इन्होंने अपने बुद्धि विवेक के सहारे बहुत से ऐसे विचार प्रस्तुत किए जिनसे शासन को नयी दिशा प्राप्त हुई और उनके आधार पर शासन चलाने में कुशलता प्राप्त हुई । यद्यपि यह माननीय सदस्य हमारे बीच नहीं हैं लेकिन इन्होंने जो सेवायें अपने जीवनकाल में की। इस देश समाज और प्रदेश को दी हैं, अपने अपने जनपदों को और क्षेत्रों को दी हैं वह सदैव अविस्मरणीय रहेंगी । उनकी सेवाओं से बहुत से दीन दुखी शोषित और पीड़ित लाभान्वित हुए । यही नहीं आगे आने वाली पीढ़ियां उनकी सेवाओं के लिए उन्हें याद करती रहेंगी । उनके जनपदों में, उनके क्षेत्रों में उनकी जयन्तियां मनाई जाती रहेंगी । जिन्होंने इतने आगे बढ़कर इस समाज की सेवा की है जनता भी उनका नाम उतने अधिक दिनों तक लेती रहेगी ।

उनके आदर्श, उनके विचार और उनकी कार्यशैली जो उन्होंने अपने पीछे छोड़ी है उससे हम सभी लोग और आने वाली पीढ़ी भी प्रेरणा लेती रहेगी । जो स्वर्गीय हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन वह अब भी इस राजनीति के क्षितिज पर प्रकाश पुंज के रूप में इस

सबको प्रकाश देते रहेंगे । उनके विचार उनकी कार्यशैली और उनके आदर्श हमारे सदैव प्रेरणा देते रहेंगे । इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपने विचारों को और आप सभी माननीय नेताओं के विचारों के साथ उनके शोक संतप्त परिवार जन तक पहुंचाऊंगा । मैं ईश्वर से यह प्रार्थना करता हूं कि उनके शोक संतप्त परिवार को धैर्य धारण करने की क्षमता प्रदान करे और उनकी आत्मा को शाश्वत शांति प्रदान करे । अब हम दो मिनट का मौन ग्रहण कर ईश्वर से यही प्रार्थना करेंगे ।

(सभी सदस्य सदन में खड़े होकर दो मिनट का मौन रखा)

प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल श्री अकबर अली खान के निधन पर शोकोद्गार

लोक निर्माण तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

श्रीमन्, श्री अकबर अली खां भारतीय संस्कृति के धनी व्यक्ति थे । यह उत्तर प्रदेश के राज्यपाल भी रह चुके हैं । उनका निधन 27 अप्रैल, 1994 को हो गया । उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रहकर उन्होंने उत्तर प्रदेश की सेवा की । इसके अलावा वह उड़ीसा के भी राज्यपाल रहे । स्वतंत्रता संग्राम के आन्दोलन में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा । श्रीमन्, इनका जन्म 17 नवम्बर, 1899 को हैदराबाद शहर में हुआ था । कानून और अन्य शिक्षा लन्दन से उन्होंने हासिल की थी । 1954 से 1972 तक वह राज्य सभा के सदस्य रहे और 1965 में राष्ट्रपति ने उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया था । उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ताओं में उनकी गिनती थी । आज उनके निधन से निश्चित रूप से गंगा जमुनी तहजीब के प्रतीक और महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, एक अच्छे अधिवक्ता का अभाव हुआ है । हम सब लोग उनके निधन से दुःखी हैं आपसे मेरा अनुरोध है कि हमारी ओर से और हमारे दल की ओर से शोक संवेदना उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

नेता विरोधी दल (श्री कल्याण सिंह)–

श्रीमन्, यह हम सब लोगों के लिए बहुत ही गहरे दुःख का विषय है कि आज उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल श्री अकबर अली खां, हमारे बीच में नहीं रहे । उनका जन्म 17 जनवरी, 1899 को हैदराबाद में हुआ था । एक बहुत ही लम्बा राजनीतिक जीवन उन्होंने लिया । कम ऐसे लोग होंगे जो 19 वर्ष तक राज्य सभा के सदस्य के रूप में देश की सेवा करते रहे हैं । 3 अप्रैल, 1954 से 2 अप्रैल, 1972 तक वह राज्य सभा के सदस्य रहे । 1965 में उनको राष्ट्रपति ने पद्मभूषण से अलंकृत किया उनकी सेवाओं के लिए । 14 नवम्बर, 1972 से 24 अक्टूबर, 1974 तक वह उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रहे और उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के पद पर रहते हुए उत्तर प्रदेश की जनता की उन्होंने भारी सेवा की ।

वह बहुत ही मिलनसार, बहुत ही सुलझे व्यक्ति थे । "सर्व धर्म संभाव" के सिद्धान्त में वह विश्वास करते थे । सब प्रकार की संकीर्णताओं के ऊपर उठा हुआ उनका व्यक्तित्व था । आज उनके उठ जाने से देश का एक जुझार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हमने खो दिया है, एक कुशल अधिवक्ता और एक योग्य राजनीतिज्ञ हमने खो दिया है । मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से उनकी दिवंगत आत्मा के प्रति बड़े सम्मान के

साथ अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि उनकी दिवंगत आत्मा शाश्वत शांति प्राप्त करे और ईश्वर उनके शोक संतप्त परिवार को इस गहरे दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे । श्रीमन्, आपसे मेरा निवेदन है कि मेरी तथा मेरे दल की ओर से शोकाकुल परिवार तक शोक संवेदना पहुंचाने का कष्ट करें ।

पंचायती राज मंत्री (श्री राम लखन वर्मा)–

मान्यवर, उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल श्री अकबर अली खां के प्रति माननीय संसदीय कार्य मंत्री, माननीय नेता विपक्ष तथा अन्य दलों के नेताओं ने जो शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं उनसे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । श्रीमन्, उनका जन्म 17 नवम्बर, 1899 को हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश) में हुआ था । श्रीमन् उनकी शिक्षा बी0 एल0 आनर्स थी एवं इन्होंने कानून की शिक्षा लन्दन से ग्रहण की थी । श्रीमन्, यह बहुत अच्छे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे । इन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में बढ़-चढ़ कर भाग लिया था । वर्ष 1972 से वर्ष 1974 तक उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रहे उसके उपरान्त 1976 तक उड़ीसा के राज्यपाल रहे । वे 3 अप्रैल, 1954 से 2 अप्रैल, 1972 तक लगातार राज्य सभा के सदस्य रहे । श्रीमन्, उन्हें 1965 में पद्म भूषण सम्मान से अलंकृत किया गया । श्रीमन् सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसी देश के सबसे बड़े प्रदेश, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रह चुके हैं और श्रीमन् गंगा जमुनी संस्कृति वाले प्रदेश में बड़ी कुशलता से कार्य किया । उन्होंने अपने तौर तरीके से प्रदेश की सेवा की । उन्हें अपने देश से बहुत प्यार था । उनके निधन से देश ने एक अच्छा नेता, अधिवक्ता तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी खो दिया है । मैं आपसे गुजारिश करता हूं कि मेरी तरफ से और मेरे दल की तरफ से शोक संवेदनाएं उनके परिवार तक भेजने की कृपा करें ।

श्री प्रमोद तिवारी–

मान्यवर, उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व प्रथम नागरिक राज्यपाल श्री अकबर अली खां के निधन पर माननीय संसदीय कार्य मंत्री नेता प्रतिपक्ष और माननीय नेता, बहुजन समाज पार्टी ने जो विचार व्यक्त किए हैं, उससे अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । जैसा कि मान्यवर, उनके बारे में सभी जानते हैं कि वे मृदु भाषी कुशल शासक और जनता की सेवा के लिए समर्पित थे । शिक्षा प्राप्त करने के बाद सर्वोच्च न्यायालय में उन्होंने एक अधिवक्ता के रूप में कार्य किया और उसके बाद 3 अप्रैल, 1954 से 2 अप्रैल, 1972 तक लगातार राज्य सभा के सदस्य रहे और पूरे देश की सेवा की । मान्यवर, जब वह उत्तर प्रदेश में राज्यपाल थे तो राज भवन में जब भी कोई मिलता था वह उसकी सेवा करते थे । जनता से भी वह बड़ी सरलता से मिलते थे और उनकी कठिनाइयों को दूर करने का प्रयास करते थे । मान्यवर, मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि मेरी तरफ से और मेरे दल की तरफ से और मेरे दल की तरफ से शोक संवेदनाएं उनके परिवार तक भेजने की कृपा करें ।

श्री किरन पाल सिंह–

मान्यवर, श्री अकबर अली खां, जो हमारे प्रदेश के राज्यपाल रहे हैं, उनके निधन पर जो शोक संवेदनाएं माननीय संसदीय कार्य मंत्री, माननीय नेता प्रतिपक्ष और माननीय

नेता ब0स0पा0 और माननीय नेता कांग्रेस पार्टी ने व्यक्त किए हैं । मैं और मेरा दल उनके विचारों से अपने को सम्बद्ध करता हूँ । माननीय श्री अकबर अली खां हिन्दुस्तान के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले लोगों की अग्रणी पंक्ति के व्यक्ति थे । उन्होंने विदेश में, लन्दन में कानून की शिक्षा प्राप्त की । उनका जन्म आन्ध्र प्रदेश के हैदराबाद में 17 नवम्बर, 1899 में हुआ था वह मान्यवर, लगातार 18 वर्ष तक राज्य सभा के सदस्य रहे उनकी सेवाओं के लिए, उन्हें देश और समाज के प्रति की गयी सेवाओं के लिए राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 1965 में 'पद्म भूषण' सम्मान दिया गया । उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के रूप में 14 नवम्बर, 1972 से लेकर 24 अक्टूबर, 1974 तक सेवा की ।

मान्यवर, इस दौरान उन्होंने संविधान के अनुसार कार्य किया । उन्होंने प्रदेश सरकार और केन्द्र सरकार के मध्य एक बहुत अच्छी कड़ी के रूप में कार्य किया है । मान्यवर, श्री अकबर अली खां के बारे में कहा जा सकता है कि वह धर्म निरपेक्ष व्यक्ति थे । मान्यवर, उनके निधन से भारत वर्ष ने अपना सच्चा सपूत खो दिया है । स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, निष्ठावान नागरिक जन-जन की सेवा करने वाला राजनेता खो दिया है । उसके निधन से निश्चित रूप से हमारे देश में, राजनीति में कमी आयी है जिसको भरा जाना मुश्किल है । ऐसे व्यक्ति के निधन पर मैं और मेरा दल दुःखी है । मैं आपसे आग्रह करूंगा कि आप श्री अकबर अली खां के शोकाकुल परिवार तक मेरी और मेरे दल की तरफ से शोक संवेदना पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री उदल–

मान्यवर, श्री अकबर अली खां के निधन पर जो विचार माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने, माननीय नेता विरोधी दल तथा अन्य नेताओं ने व्यक्त किये हैं मैं उनके साथ अपने और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । श्रीमन्, श्री अकबर अली खां महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे और स्वतंत्रता सेनानी की अगली पंक्ति के व्यक्ति थे । उन्होंने राज्य सभा में 54 से लेकर 72 तक लगातार देश की सेवा की इसीलिए उन्हें देश की सेवा के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया श्री खान उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ताओं में से थे और उत्तर प्रदेश के राज्यपाल जब वह थे तो मुझे भी इस सदन में रहने का मौका मिला था । बहुत ही नम्र स्वभाव के व्यक्ति, मिलनसार, मृदभाषी थे और उनका दरबार हमेशा लोगों के मिलने के लिए खुला रहता था । उनके निधन से सचमुच में एक महान स्वतंत्रता सेनानी एक कुशल अधिवक्ता और एक राजनेता तथा एक धर्मनिरपेक्षता में विश्वास करने वाला व्यक्ति हमारे बीच से उठ गया । उनके निधन से बहुत बड़ी क्षति आज के वक्त में हुई है इसलिए मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से उनके निधन पर शोक व्यक्त करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप हमारी ओर से और हमारे दल की ओर से शोक संवेदना उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री राम स्वरूप सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, भूतपूर्व राज्यपाल श्री अकबर अली खां के देहावसान पर संसदीय कार्य मंत्री, विपक्ष के नेता, बसपा के नेता, कांग्रेस के नेता, जनता दल के नेता और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता के विचारों से अपने आपको सम्बद्ध करते हुए शोक

व्यक्त करता हूं । एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को हमने खो दिया है । उनकी याद राज्य सभा की सदस्यता के रूप में राज्यपाल के रूप में और वकील के रूप में की जाती रहेगी । उन्होंने जिस आदमी और ईमानदारी के साथ काम किया वह हमें याद आती रहेगी यहां के लोगों को याद आती रहेगी । इन शब्दों के साथ आपसे प्रार्थना करता हूं कि मेरे और मेरे दल की ओर से उनके परिवार को शोक संवेदना भेजने की कृपा करें ।

श्री महबूब अली–

श्रीमन्, अकबर अली खां की हैदराबाद के जन्म के साथ साथ हमारे प्रदेश के राज्यपाल रहे हैं । उनके निधन पर जो पूर्व में माननीय संसदीय कार्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष नेता बहुजन समाज पार्टी, नेता कांग्रेस पार्टी, नेता जनता दल, नेता मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और नेता भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने जो विचार रखे मैं उनसे अपने आपको सम्बद्ध करते हुए अल्लाह से दुआ करता हूं कि उनके परिवार में अमन खैर रखे और पूरे सदन की तरफ से फिर एक बार अल्लाह से यह दुआ करता हूं कि जिस तरह से उन्होंने हमारे प्रदेश के गवर्नर के रूप में कावादत की है उसी तरह से उनके परिवार का कोई भाई पैदा हो और मैं बाद में अपनी तरफ से अपने दल की तरफ से आपसे यह अर्ज करता हूं कि मेरी शोक संवेदना उनके परिवारजन तक, उनके शुभ चिन्तकों को भेजने का कष्ट करें।

श्री अध्यक्ष–

स्वर्गीय अकबर अली खां जी के प्रति जो शोकोद्गार सदन के संसदीय कार्य मंत्री श्री वर्मा जी ने, बहुजन समाज पार्टी के नेता माननीय श्री वर्मा जी ने, प्रतिपक्ष के नेता माननीय श्री कल्याण सिंह ने, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता माननीय तिवारी जी ने और जनता दल के नेता माननीय किरनपाल सिंह जी ने, कम्युनिस्ट पार्टी के नेता माननीय उदल जी ने और कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के नेता माननीय श्री राम स्वरूप जी ने नेता तथा जनता पार्टी के नेता माननीय श्री महबूब अली जी ने जो अपने विचार प्रकट किये हैं उनसे मैं अपने को सम्बद्ध करते हुए बड़े दुःख के साथ यह कह रहा हूं कि स्वर्गीय अकबर अली खां जैसे समाज सेवी, मृदुभाषी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हमारे बीच से धीरे-धीरे उठते चले जा रहे हैं, आगे आने वाली पीढ़ी में इस तरह के अनेक लोग पैदा हों, इसके लिये मैं ईश्वर से कामना करता हूं । यह कहना चाहूंगा कि यदि स्वर्गीय अकबर अली जी ने हमारे समाज सेवा और देश सेवा में अपना जीवन न खपाया होता तो फिर उनकी सेवाओं के लिये पद्म भूषण जैसा जो एवार्ड दिया गया और उससे जो विभूषित किया गया वह न किया जाता । हम सबका यह प्रयास होना चाहिये कि हम स्वर्गीय अकबर अली खां जी के कार्यों दर्शन और उनके बताये हुए जो मार्ग हैं जो रास्ते हैं उन पर चलें और उन जैसी ख्याति अर्जित करें इस समाज को एक नयी दिशा प्रदान करें । इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी संवेदना को आप सभी माननीय नेताओं की संवेदनाओं के साथ उनके दुखी परिवार जनों को पहुंचाऊंगा और साथ ही साथ ईश्वर से यह प्रार्थना भी कर रहा हूं कि उनके शोक संतप्त परिवार को धैर्य धारण करने की क्षमता प्रदान करें और स्वर्गीय आत्मा को शाश्वत शांति प्रदान करें । अब हम दो मिनट के लिए मौन खड़े होकर ईश्वर से प्रार्थना करेंगे ।

(सदन के सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की)

सदन में पर्चा फेंकने की घटना की सूचना

अब मैं सदन को एक सूचना देना चाहता हूं । मार्शल, विधान सभा से प्राप्त सूचना के अनुसार आज दिनांक 19 अगस्त, 1994 को सदन के उपवेशन के दौरान जैसे ही "वन्दे मातरम्" का गायन समाप्त हुआ दर्शक दीर्घा नम्बर-4 की दूसरी पंक्ति में बैठे हुए दो दर्शकों ने पर्चा फेंककर तथा नारा लगाकर सदन के कार्य में व्यवधान डालने का प्रयास किया, जिसे दीर्घा में तैनात सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा निष्फल कर दिया गया एवं उक्त दोनों दर्शकों को बल पूर्वक दर्शक दीर्घा से हटाकर पटल कार्यालय तक अभिरक्षा में लाया गया । उक्त दोनों व्यक्तियों ने पूंछतांछ के दौरान अपना नाम क्रमशः श्री मोहन पाठक पुत्र श्री हरगोविन्द पाठक, निवासी दंबल चौड़, हल्द्वानी, नैनीताल तथा श्री तरूण पन्त पुत्र श्री एस0सी0 पन्त, निवासी-छोटी मुखानी हल्द्वानी नैनीताल बताया है । दोनों व्यक्तियों के पास क्रमशः दर्शक दीर्घा के प्रथम पाली का प्रवेश-पत्र संख्या-7521 तथा 7526 प्राप्त हुआ जो श्री तिलकराज बेहड़ सदस्य, विधान सभा हल्द्वानी नैनीताल की संस्तुति पत्र पर जारी किया गया है ।

उक्त दोनों दर्शकों के इस आचरण से सदन के कार्य में बाधा उत्पन्न हुई । दोनों व्यक्ति अभी भी मार्शल विधान सभा की अभिरक्षा में हैं । अब मैं इस प्रकरण को सदन के सामने रखते हुए सदन की राय चाहूंगा कि इस प्रकरण पर सदन की क्या राय है?

श्री प्रमोद तिवारी–

मान्यवर, जो हो गया उसे भूल जायें । पूर्व परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए, क्योंकि वे दुःखी थे और उन्होंने जो भी किया नौजवानी के जोश में किया, मेरी राय है कि उन्हें क्षमा कर दिया जाये और छोड़ दिया जाये ।

नेता विरोधी दल (श्री कल्याण सिंह)–

मान्यवर, जिन भी कारणों से, जिन परिस्थितियों से या नौजवानों के जोश में आकर किया, सदन की परम्परा के अनुसार मेरा आपसे यह अनुरोध है कि इस प्रकरण को यहीं समाप्त किया जाये । सदन की यह परम्परा भी रही है कि जब-जब ऐसे प्रकरण आये हैं पूरा सदन ऐसे लोगों को छोड़ दिया करता है इसलिए मेरा अनुरोध है कि इस प्रकरण को यहीं समाप्त किया जाये ।

श्री किरन पाल सिंह–

मान्यवर, जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो दर्शक दीर्घा नम्बर-4 में बैठे हुए दो दर्शकों ने नारे लगाये और पर्चे फेंके । इससे यह लगता है कि जो हमारे पर्वतीय क्षेत्रों में आंदोलन चल रहा है उसी भावना के तहत यह कार्य उन्होंने किया । सन् 80 से मैं इस विधान सभा का सदस्य रहा हूं और तब से मैं देख रहा हूं कि विभिन्न सत्रों में अपने रोष को व्यक्त करने के लिए लोग यहां पर आये हैं और पर्चे फेंके हैं । सदन की यह परम्परा रही है कि जब सदन उठता है उसके तुरन्त बाद ऐसे व्यक्तियों को छोड़ दिया जाता है । मेरा आपसे यह निवेदन है कि सदन के उठने के बाद उन्हें छोड़ दिया जाये और इस मामले में ज्यादा तूल न दिया जाये ।

श्री उदल–

मान्यवर, ऐसे प्रकरण इस माननीय सदन के इतिहास में बहुत बार आये हैं और हमेशा यही निर्णय लिया गया है कि इस तरह के प्रकरण को तुरन्त सदन उठने के बाद समाप्त कर दिया जाये। इसलिए मैं निवेदन करना चाहता हूं और सरकार से भी निवेदन करता हूं कि इस प्रकरण को यहीं समाप्त करना ही उचित होगा। आपसे भी मेरा निवेदन है कि आप इसको समाप्त करने की कृपा करें।

श्री राम स्वरूप सिंह–

मान्यवर, जो सदन की पुरानी परम्परायें हैं, उनको निभाते हुये सरकार से और आपसे अनुरोध है कि इन छात्रों को क्षमा किया जाय और सदन उठने के तुरन्त बाद रिहा कर दिया जाय।

श्री महबूब अली–

जैसे ही आज सदन चला, दर्शक दीर्घा से जो कुछ भी लड़कों द्वारा किया गया, उसके बारे में जो पूर्व में नेतागण कह चुके हैं, मैं भी उससे अपने को सम्बद्ध करते हुये आपसे प्रार्थना करता हूं कि उन्हें क्षमा कर दिया जाय।

लोक निर्माण तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

श्रीमन्, किसको किसने गुमराह किया, इसकी भी पहचान करनी पड़ेगी और उनकी भर्त्सना भी करनी पड़ेगी कि इस तरह राजनीतिक उद्देश्य के लिये नौजवानों को गुमराह करना कदापि उचित नहीं है। जहां तक हमारे माननीय कुछ नेताओं ने कहा कि यह परम्परा रही है सदन उठने के बाद छोड़ देने की, तो मैं बताना चाहता हूं कि कई बार जेल भी भेजा गया है..

श्री जगदम्बिका पाल–

जितनी देर मार्शल की अभिरक्षा में रहे हैं, उसे सजा मान लिया जाय।

श्री बेनी प्रसाद वर्मा–

मैं नेता विरोधी दल का सम्मान करता हूं और जिन लोगों ने इन नौजवानों को गुमराह किया, उनकी भर्त्सना करता हूं। नौजवानों का कोई दोष नहीं है, यही हमारा अनुरोध है।

श्री कल्याण सिंह–

गुमराह किया, मुख्य मंत्री जी के उत्तेजक बयान थे।

श्री अध्यक्ष–

मैंने इस प्रकरण पर माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता कांग्रेस दल, माननीय नेता जनता दल, दोनों कम्यूनिस्ट पार्टी के नेताओं, जनता पार्टी के नेता तथा माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी के विचार सुने और उन विचारों के आधार पर मैं निर्णय देता हूं कि उपरोक्त दोनों व्यक्तियों ने दर्शक दीर्घा से नारे लगाकर तथा पर्चे फेंककर सदन के कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास किया है, यह सदन की अवमानना का आधार बनता है। दोनों व्यक्ति इस समय मार्शल की अभिरक्षा में हैं। मेरे विचार से ऐसे

उच्छृंखल व्यक्तियों को महत्व देना समीचीन नहीं होगा। अतः यदि सदन सहमत हो तो आज के उपवेशन की समाप्ति तक दोनों व्यक्तियों को मार्शल की अभिरक्षा में रखा जाय, तत्पश्चात उन्हें रिहा कर दिया जाय।

(सदन ने सहमति व्यक्त की)

अब हम उठते हैं, 22-8-94 को पुनः मिलेंगे।

(इसके बाद सदन 1 बजकर 20 मिनट पर सोमवार 22 अगस्त, 1994 को दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :
19 अगस्त, 1994

प्रेम चन्द्र सक्सेना,
सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

पी0 एस0 यू0 पी0–एल0 196 वि0 सभा (309)–1995–813।